■ प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी- 12

■ आरबीआई की डिप्टी गर्वनर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 12

■ आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप - 13

■ भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 3, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का भारी खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक हूप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

भारत को मिली मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे राष्ट्रमंडल खेल– 2030

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई । पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्टमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अफ्रीका के इस शहर के 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए नाम पर विचार करने का फैसला किया।

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में लगी मुहर, नाइजीरिया का दावा खारिज

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है । भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है । भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जहां पिछले एक दशक में खेल ढांचा नए स्तर तक पहुंचा है। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया था।

... इसलिए मजबूत पड़ा अहमदाबाद का दावा

अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की है। यहां अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप होगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर को इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसी परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान बनेंगे।

"यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत में व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और अपार खेल जुनून है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले सौ वर्षों की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। – **डॉ. डोनाल्ड रुकारे**, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष

"कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। – **पीटी उषा**, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

ब्रीफ न्यूज

आईएफएफआई के समापन समारोह में शोले का प्रदर्शन रद्द

पणजी। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद 56वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस सप्ताहांत अपने समापन समारोह में उन्हें एक विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। आईएफएफआई में 26 नवंबर को शोले का 4 के 'रीस्टोर्ड' (उन्नत) संस्करण का प्रदर्शन किया जाना था लेकिन आयोजकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इसे भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, सोमवार को धरमजी के निधन की दुखद खबर मिलने के बाद सम्मान स्वरूप फिल्म बाजार के समापन समारोह में एक मिनट का मौन रखा गया।

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज वन अधिकारी बी. बी. वाला ने बताया कि उन्होंने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दिल्ली: स्कूल बंद करने की याचिका पर शिक्षा सचिव तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मुद्दे पर वजीरपुर जेजे कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी और शिक्षा विभाग तथा केंद्र सहित अन्य प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराज थी।

संवैधानिक कर्तव्य निभाएं नागरिक क्योंकि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव

संविधान दिवस पर मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों

"हमारे देश ने हमें बहुत कुछ दिया है और इससे हमारे भीतर कृतज्ञता की एक गहरी भावना जागृत होती है, और जब हम इस भावना के साथ जीते हैं, तो अपने कर्तव्यों को पूरा करना हमारे स्वभाव का अभिन्न अंग बन जाता है। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रत्येक कार्य में अपनी पूरी क्षमता और समर्पण लगाना अनिवार्य हो जाता है।
– प्रधानमंत्री मोदी

के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी हमेशा एक नागरिक के कर्तव्यों पर जोर देते थे। मोदी ने कहा, उनका मानना था कि कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने से एक समान अधिकार का सृजन होता है और वास्तविक अधिकार कर्तव्य पालन का परिणाम होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।

संविधान भारत के गौरव का आधार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है और साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

कर्तव्य के बिना अधिकार सुरक्षित नहीं: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में बुधवार को संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इस दौरान योगी ने कहा कि स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है।योगी के अनुसार, अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता।

खीरी के सोती साइफन में गिरी कार, बहराइच के पांच लोगों की मौत

संवाददाता,लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। पढुआ थाना क्षेत्र में पारस पुरवा गांव के पास शारदा नहर के किनारे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कार रेलिंग तोड़ते हुए सोती नदी के साइफन में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हादसा मंगलवार की रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले लोग बहराइच जिले के थाना सुजौली क्षेत्र में स्थित गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश की भतीजी की शादी में शामिल होने लखीमपुर आए थे। शादी में शामिल होकर कार से बहराइच लौट रहे थे। ढखेरवा-गिरजापुरी बैराज मार्ग पर शारदा नहर पर बने सुतिया साइफन के पास मोड़ पर कार अचानक बेकाबू होकर साइफन की रेलिंग तोड़ते हुए

सायफन के पानी में पड़ी कार।

- **ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर मंगलवार रात हुआ भीषण हादसा**
- **शादी में शामिल होकर लौट रहे थे पांचों, चालक की भी हालत गंभीर**

करीब 30 फुट नीचे पानी में जा गिरी।

सूचना पर तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार के गेट तोड़कर सभी को रस्से के सहारे बाहर निकाला और सीएचसी रमियाबेहड़ भेजा, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी मल्लाह (45), अजीमुल्ला (45), सुरेंद्र (56) को मृत घोषित कर दिया। ये सभी बहराइच के सुजौली के निवासी थे। कार चालक सूरज उर्फ बब्बू (28) की हालत गंभीर है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोहाली, एजेंसी

- **अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद**

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार के डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी दोबारा आवंटित नहीं की जाती है।

दिल्ली में मामूली सुधार होते ही हटा ग्रैप- 3 दफ्तरों में 50% स्टाफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की हालत अब भी बेहद खराब**

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लागू किए गए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप)-3 के तहत लागू सभी प्रतिबंध हटा दिए। इसी के साथ दिल्ली में दो दिन पहले लागू की गई सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने समेत सभी पाबंदियां भी खत्म हो गई हैं।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 327 रहा और भारत मौसम विभाग तथा भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहने की आशंका है। इसके बावजूद सीएक्यूएम ने कहा कि 21 नवंबर को अधिसूचित संशोधित ग्रैप के चरण-1 और चरण-2 के तहत लागू प्रतिबंध एनसीआर में जारी रहेंगे और उनका कड़ाई से पालन कराया जाएगा ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़ सके। सीएक्यूएम के आदेश में कहा गया है कि ग्रैप पर उप-समिति ने वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और इसमें सुधार देखा। इसके बाद 11 नवंबर के आदेश वापस लिए गए, जिसके तहत चरण-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा दी गई हैं और ग्रैप-2 लागू किया गया है।

दिल्ली विस्फोट : उमर को पनाह देने वाला फरीदाबाद का शख्स गिरफ्तार

बड़ी कामयाबी

- **विस्फोट से पहले उमर को जरूरी साजोसामान भी कराया था मुहैया**

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी को पनाह देने के मामले में फरीदाबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक शोएब नाम के इस शख्स ने विस्फोट

करने से डॉ. उमर को साजोसामान भी मुहैया कराया था। साथ ही सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था।

आत्मघाती हमवलावर के तौर पर पहचाना गया डॉ. उमर उस कार को चला रहा है जिसमें गत 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ था और इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज निवासी शोएब को दिल्ली आतंकी बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर उन नबी" को साजो-सामान मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शोएब एनआईए के हाथों गिरफ्तार किया गया इस मामले में सातवां आरोपी है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से उजागर किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है।

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया भूरणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण के लिए 7280 करोड़ की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश को चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन,

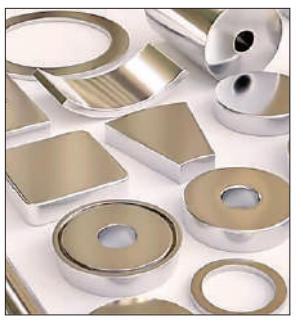

नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह योजना दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है। यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी। इसमें दुर्लभ खनिज ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को तैयार चुंबकों में परिवर्तित करना शामिल है।

पुणे मेट्रो के विस्तार के लिए 9,858 करोड़ रुपये

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराडी-हडपसर-स्वारगेट-खड़कवासला) और लाइन 4ए (नल स्टॉप-वारजे-माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि लाइन 2ए (वनाज-चांदनी चौक) और लाइन 2बी (रामवाड़ी-वाघोली/विट्ठलवाड़ी) को मंजूरी मिलने के बाद, दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है। सरकार ने कहा कि इस नवीनतम मंजूरी के साथ, पुणे मेट्रो का नेटवर्क 100 किलोमीटर से आगे बढ़ जाएगा। कुल 28 'एलिवेटेड' स्टेशनों के साथ 31.636 किलोमीटर लंबी, लाइन 4 और 4ए पूर्व, दक्षिण और पश्चिम पुणे में आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय समूहों को जोड़ेगी।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद शंकर अवस्थी
विधायक
विधानसभा 141
धौरहरा

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संजीव कुमार तिवारी
क्षेत्रीय वन अधिकारी, वन रेंज गोला गोकर्णनाथ खीरी

अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ग्राम पंचायत में विकास के लिए निरंतर चिंतित और प्रयत्नशील
काम किया है काम करेंगे
अरविंद वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत सौंठन
ब्लाक लखीमपुर खीरी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
समाजवादी पार्टी

रामसरन
पूर्व विधायक
विधानसभा 140
श्रीनगर-खीरी

जनपद खीरी का प्रभावशाली संगठन जिसके अभियान एवं कार्यों ने बदली जन, युवा एवं समाज कल्याण की दिशा

गोला टूरिज्म संगठन

(श्री गोकर्ण फाउंडेशन द्वारा संचालित)
www.golatourism.in

:: विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संगठन के अंग एवं अभियान::

अधिक जाने वेबसाइट एवं सोशल मीडिया से

दैनिक अमृत विचार के छह वर्ष पूर्ण होने पर संपूर्ण परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं।
/golatourism

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी
लखीमपुर - खीरी

जिला खाद्य एवं विपणन विभाग की ओर से किसान भाइयों से अपील

- सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचें फसल, एसएसपी का लें लाभ
- निजी आढ़तों की जगह सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेचें और मिनिमम सपोर्ट प्राइस प्राप्त करें।
- किसान भाई धान अच्छी तरह सुखाकर ही क्रय केंद्रों पर लाएं। क्योंकि 17 % से ज्यादा नमी होने पर धान सरकारी खरीद केंद्र पर नहीं खरीदा जा सकता।
- फसल का पैसा किसानो के खाते में सीधे डीबीटी के जरिए भेजा जाता है।
- सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेचकर खाद्य एवं विपणन विभाग और जिला प्रशासन का सहयोग करें।

धन्यवाद

नमन पांडेय
जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, लखीमपुर-खीरी

DCM SHRIRAM
Growing with trust

DCM SHRIRAM
Growing with trust

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

क्षेत्र के समस्त गन्ना कृषकों को उनके अनवरत सहयोग के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद

अपील

मिल में साफ-सुथरा, ताजा एवं पर्ची अनुसार गन्ना लाएं।
जनवरी माह तक पौधा गन्ने की कटाई न करें।

प्रभात कुमार सिंह
उपाध्यक्ष एवं इकाई प्रमुख
डी.सी.एम. श्री राम लिमिटेड
शुगर एवं डिस्टिलरी यूनिट
अजबापुर

न्यूज ब्रीफ

युवती का शोषण करने की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : शादी का झांसा देकर युवती का शोषण करने वाले पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। कोतवाली में दी गई तहरीर में युवती ने बताया मोहल्ले के ही एक युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया। वह मुंबई में अपने रिश्तेदार के पास रहने लगी। माता-पिता ने उससे रिश्ता तोड़ दिया। अब जब युवक से निकाह के लिए बात की तो उसने मना कर दिया। पीड़िता ने आरोपी पर करीब तीन साल तक शोषण करने का आरोप लगाया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

शातिर गोमांस तस्कर गिरफ्तार

बरखेड़ा, अमृत विचार : एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में टॉप-10 गोमांस तस्कर की सूची में शामिल ग्राम पृथ्वीपुर निवासी रियासत को बरखेड़ा पुलिस ने सिमरिया तारांचद तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। आरोपी को रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया है।

माला- चूका नदी समेत अन्य नदी-झीलों में के आसपास बना रहे आशियाना, छोटा शरीर होने के बावजूद मगरमच्छ से भिड़ने को रहता है तैयार

पीटीआर में दिखने लगा जलमानुष कहे जाने वाले दुर्लभ ऊदबिलाव का कुनबा

सुनील यादव, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल की रहस्यभरी दुनिया में लगभग हर एक वन्यजीव अपनी विशेष खासियत के दम पर अपनी अलग पहचान रखता है। इसमें वे दुर्लभ वन्यजीव भी शुमार हैं, जो विलुप्त होने के कगार पर हैं।

विशेषताओं की बात करें तो कुछ ऐसे वन्यजीव भी हैं, जो अपने से बड़े और खतरनाक वन्यजीवों को भी चुनौती दे डालते हैं। इन्हीं में एक जल मानुष कहे जाने वाला दुर्लभ ऊदबिलाव हैं, जो जरूरत पड़ने से अपने से कई गुना बड़े मगरमच्छ से भिड़ने का दमखम रखता है। पूर्व में यह प्रजाति लुप्त होने के कगार पर पहुंच गई थी, मगर अनुकूल वातावरण मिलने से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में इन दुर्लभ ऊद-विलाब के समूह नदी-झीलों में अठखेलियां करते देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों की माने तो इन दुर्लभ जलीय जीवों का बड़े समूह में दिखना न केवल वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद है, बल्कि यहां के पर्यावरण और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का सूचक भी है। महज एक दशक ही बीता हैं, मगर पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैवविविधता के दम पर देश के श्रेष्ठ टाइगर रिजर्वों में शुमार होने की ओर अग्रसर है। यहां के जंगलों में वन्यजीवों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई। जानकारों की मानें तो यहां अधिकांश परिवर्तन बाघ संरक्षण परियोजना लागू होने के बाद ही हुआ है।

वन एवं वन्यजीवों की बेहतर सुरक्षा होने से अवैध रूप से होने वाली इंसानी घुसपैठ भी कम हुई। इन सबसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व की जैवविविधता भी संरक्षित हुई। यही वजह है कि यहां बेहतर पर्यावास होने से बाघ समेत अन्य वन्यजीवों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ। बदलते वक्त के साथ अब यहां विलुप्त हो चुके या संकटग्रस्त पशु-पक्षी समेत अन्य जीव दोबारा अपने अस्तित्व की ओर लौटने लगे हैं। इसमें दुर्लभ हार्नबिल से लेकर देश से सबसे कम दिखने वाला रेड कोरल कुकरी स्नैक, दुनिया की सबसे छोटी बिल्ली रस्टी स्पॉटेड कैट, दुर्लभ प्रजाति की तितली कॉमन पायरोट समेत कई ऐसे पशु-पक्षी देखे जा रहे हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अब संकटग्रस्त दुर्लभ स्तनधारी ऊद बिलाव के समूहों की की मौजूदगी देखी जा रही है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया संरक्षण के बाद से पीटीआर में विलुप्त हो चुके जीवों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है जो अच्छी बात है।

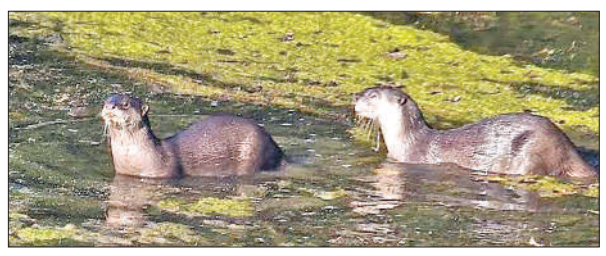

झील में अठखेलियां करते दुर्लभ ऊदबिलाव। ● अमृत विचार

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बेहतर प्रयास किए जाने से सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। विलुप्त हो चुके या संकटग्रस्त जीव यहां के जंगलों में देखे जा रहे हैं। ऊदबिलाव की भी एक प्रजाति देखी जा रही है। इस दुर्लभ जीव का दिखना क्षेत्र की पारिस्थितिकी, जैव विविधता और संरक्षण प्रयासों की बड़ी सफलता की ओर इंगित करता है। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

खतरा महसूस होते ही करते है सतर्क

ऊदबिलाव की यह यह प्रजाति को तैरने में तो महारत हासिल है ही, साथ ही यह अपने प्रतिद्वंदी मगरमच्छ तक से भिड़ने में कोई गुरेज नहीं करते। विशेषज्ञों के मुताबिक साफ़ पानी में समूह के साथ रहने वाले ऊदबिलाव समूह में ही शिकार करते हैं। खतरे की आशंका पर एक दूसरे को बिसल बजाकर सचेत करते हैं। मजबूत और झिल्लीदार पंजे इनको कुशल तैराक एवं मछली पकड़ने में माहिर बनाते हैं। अकसर मछली पकड़ने के लिए यह पहले शिकार का घेराव करते हैं और और फिर छलांग लगाकर शिकार को दबोचते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व में संकटग्रस्त ऊदबिलाव का दिखना न केवल नदी जल की शुद्धता का प्रमाण है, बल्कि पूरे इकोसिस्टम के मजबूत होने का भी सबूत है।

पीटीआर में एकमात्र स्मूथ कोटेड ऊदबिलाव

ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका को छोड़कर अन्य सभी महाद्वीपों में दिखने वाले ऊदबिलाव की 13 प्रजातियों में से तीन प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं। खास बात यह है कि इसमें ऊदबिलाव की एक प्रजाति स्मूथ कोटेड ऑटर पीलीभीत टाइगर रिजर्व रिजर्व में भी पाई जाती हैं। अर्धजलीय स्तनधारी स्मूथ कोटेड ऑटर एक मांसाहारी वन्यजीव हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बात करें तो ऊदबिलाव की यह प्रजाति नदियों, झीलों और बड़े तालाबों के किनारे कई मुंहवाले बिल बनाकर रहती है। टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद अख्तर मियां के मुताबिक ढाई से तीन फुट लंबा स्मूथ कोटेड ऑटर अपना अधिकांश समय पानी में ही बिताते हैं। इनका मुख्य भोजन मछली है। सर्वाधिक ऊदबिलाव पीलीभीत टाइगर रिजर्व से गुजरने वाली माला नदी, चूका नदी समेत हरीपुर रेंज की भगण्डा झील में देखे जा सकते हैं। चमकदार और मुलायम फर के चलते ही इन्हें स्मूथ कोटेड ऑटर नाम दिया गया है।

थप्पड़ मारने से आक्रोश, लगाया जाम

नौगवां चौराहा पर एबीवीपी ने किया हंगामा, सहायक पुलिस अधीक्षक ने कराया शांत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यातायात माह के बीच वाहन चेकिंग के दौरान बुधवार को हंगामा हो गया। अभाविप कार्यकर्ता को थप्पड़ मारने का आरोप सीओ यातायात पर लगा। जिसके बाद अभाविप कार्यकर्ता गुस्साए गए और जाम लगाकर नारेबाजी शुरू कर दी गई। काफी देर तक उन्हें मनाने का प्रयास किया जाता रहा लेकिन बात नहीं बन सकी। बाद में सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल पहुंची और वार्ता के बाद आश्वासन देकर शांत कराया। करीब एक घंटे तक प्रदर्शन चला। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना बुधवार सुबह करीब 11 बजे की है। शहर के नौगवां चौराहे पर चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का एक कार्यकर्ता वहां से गुजर रहा था। आरोप लगाया कि चौराहे पर चेकिंग के दौरान उसे सीओ यातायात ने रोका और थप्पड़ मार दिया। कार्यकर्ता के अनुसार, पुलिस ने उसे अचानक रोका और प्रतिक्रिया देने से पहले ही थप्पड़ जड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभाविप कार्यकर्ता चौराहे पर पहुंच गए। जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ ही देर में मार्ग पर आवागमन बाधित होने लगा। वाहनों की कतार लग गई। कार्यकर्ता पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सीओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। इसकी सूचना मिलने पर सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, कोतवाल सत्येंद्र कुमार, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी पुलिस बल के साथ पहुंच गए। अधिकारियों ने लगातार समझाने का प्रयास किया, मगर पहले कार्यकर्ता जाम हटाने को तैयार नहीं हुए। इतना ही नहीं कार्यकर्ता बीच चौराहा पर जमीन पर बैठ गए। उन्होंने काफी देर तक नारेबाजी की। बाद में कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर कार्यकर्ताओं ने जाम खोला। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सीओ के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने बताया कि सीओ पर लगाए गए आरोपों की जांच कराई जा रही है और फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नौगवां चौराहा पर विरोध प्रदर्शन करते अभाविप कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● कार्यकर्ताओं ने मांग पत्र सौंपा, सख्त कार्रवाई की मांग

ये अधिकारों का उल्लंघन और अनुशासनहीनता

विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री प्रमोद राजपूत की ओर से एसपी को संबोधित ज्ञापन भी दिया गया है।जिसमें कहा है कि अभाविप कार्यकर्ता श्याम मिश्र के साथ एक अफसर द्वारा सार्वजनिक रुप से दुर्व्यवहार किया जाना अधिकारों का उल्लंघन है। बेहद निंदनीय और अनुशासनहीनता से जुडा है। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई।

धमकाने के बाद और भड़का गुस्सा

कार्यकर्ताओं के अनुसार, नौगवां चौराहा पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन चल रहा था। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल समेत दोनों थानों का फोर्स मौके पर थी। वार्ता के दौरान जाम खुलवाने को लेकर तीखी नोकझोंक भी हुई। इसी बीच सीओ ने जाम लगाने पर भी कार्रवाई की बात कही तो कार्यकर्ता और भड़क गए, बहस होने लगी। फिर सीसीटीवी की फुटेज चेक कर निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया गया और मामला शांत हो सका।

कोतवाल, हल्का दरोगा और बीट सिपाही निलंबित

संवाददाता, दियोरियाकलां

● छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की हत्या करने का मामला

अमृत विचार: छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या करने के मामले में कोतवाल, हल्का दरोगा और बीट सिपाही का निलंबन कर दिया गया है।

सात माह से बरती जा रही लापरवाही पर एक्शन हत्या के बाद हो सका है। फिलहाल एसपी पूर्व के मुकदमे में बरती गई लापरवाही की जांच कराने के भी निर्देश दे चुके हैं। ऐसे में हमलावरों को बचाने के आरोप में घिरे पुलिसकर्मियों की अभी और मुश्किल बढ़ सकती है। हत्याकांड के बाद ये भी स्पष्ट है कि कहीं न कहीं निचले स्तर पर पुलिस की ओर से बरती जा रही लापरवाही या यूं कहें कि शह हमलावरों का हौसला बढ़ाती चली गई और छेड़छाड़ करने वालों ने हत्या की घटना को अंजाम दे डाला। घटना मंगलवार देर शाम दियोरियाकलां क्षेत्र में हुई थी। छेड़छाड़ के मुकदमे को लेकर करीब सात माह से चली आ रही रंजिश में आरोपी पक्ष ने छेड़छाड़ पीड़िता के परिवार पर हमला कर दिया था। इस दौरान फायरिंग की गई और गोली मारकर छेड़छाड़ पीड़िता के 25 वर्षीय चचेरे भाई की हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर एसपी अभिषेक यादव, सीओ प्रगति चौहान पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे थे। इस दौरान पूरे प्रकरण में कोतवाली दियोरियाकलां पुलिस की लापरवाही भी उजागर हुई थी। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दियोरियाकलां कोतवाल दिगंबर सिंह, हल्का दरोगा अभिषेक यादव, बीट कांस्टेबल अखिलेश यादव को निलंबित कर दिया। वहीं, हजारा थाने की कंबोझनगर चौकी के प्रभारी गौतम सिंह को दियोरियाकलां कोतवाली का प्रभारी बनाया है। बताते हैं कि सात माह में कई बार आरोपियों के बारे में शिकायतें परिवार करता रहा लेकिन थाना स्तर पर उसकी कोई सुनवाई तक नहीं हो पा रही थी। आरोप है कि पुलिस फायरिंग किए जाने पर जब शिकायत की जाती थी तो उसे पटाखे की आवाज बताकर मामला ही दबा देती थी। फिलहाल पुलिस ने मृतक के परिवार से मिली तहरीर पर गांव के ही आशीष, मुरारीलाल, मेवाराम, बादशाह, रामऔतार, अमन शिवम, सूरजपाल समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर कराई है। जिसमें बताया कि मंगलवार देर शाम सभी आरोपी असलहों से लैस होकर घर में घुसकर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया। इधर, दोनों पक्षों के एक ही गांव का होने के चलते पुलिस बल की तैनाती रही। छेड़छाड़ की घटना को लेकर परिवार अभी न्याय के लिए लड़ाई लड़ रहा था कि इसी बीच हत्या की वारदात को आरोपियों ने अंजाम दे डाला। जिसके बाद परिवार में मातम छाया है। गम के बीच घटना को लेकर गुस्सा भी है।

एसपी की गठित छह टीमें देती रही दबिश

हत्याकांड के बाद एसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मंगलवार रात को ही छह टीमें गठित कर दी थी। इसके बाद हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश देने में जुट गई। करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया गया। जिनसे दूसरे दिन भी पूछताछ की जाती रही। कोतवाल समेत तीन पर गाज गिरने के बाद पुलिस इस पूरे प्रकरण में गहनता से छानबीन कर रही है। एसपी समेत अन्य अधिकारी भी इनपुट लेते रहे।

देर रात कर रहे खाद की कालाबाजारी चार उर्वरक केंद्रों के लाइसेंस निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● आईएफएमएस पोर्टल से उर्वरक बिक्री रिपोर्ट की जांच में हुआ था खुलासा

● 29 नवंबर तक स्पष्टीकरण नहीं देने पर लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी

अमृत विचार: रात में खाद की बिक्री करने के मामले में रडार पर आए 57 उर्वरक बिक्री केंद्रों में से चार उर्वरक बिक्री केंद्रों पर कार्रवाई की गई। जिला कृषि अधिकारी की ओर से इन चारों उर्वरक बिक्री केंद्रों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। इन सभी को नोटिस जारी कर 29 नवंबर तक स्पष्टीकरण न देने पर लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी दी गई है। बताते हैं कि खाद की कालाबाजारी करने वाले अन्य उर्वरक विक्रेताओं पर भी कार्रवाई करने की तैयारी चल रही है।

19 नवंबर को भारत सरकार के द्वारा उर्वरकों की बिक्री को लेकर समीक्षा की गई थी। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद के 57 उर्वरक बिक्री केंद्रों के द्वारा कुल बिक्री का दस फीसदी रात आठ बजे के बाद किया है। वहीं 21 उर्वरक विक्रेताओं का 20 फीसदी, 04 उर्वरक विक्रेताओं का कुल उर्वरक बिक्री का 50 फीसदी संभार की बिक्री रात आठ बजे के बाद होना पाई गई। जबकि रात में बिक्री किया जाना औचित्यहीन है। रात में उर्वरक बिक्री पर कालाबाजारी की आशंका के चलते जांच कराई गई। जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल के निर्देश पर की गई जांच में अब तक 04 उर्वरक बिक्री केंद्रों द्वारा बड़े पैमाने पर रात में उर्वरक बिक्री होना पाया गया। इन उर्वरक बिक्री केंद्रों पर कालाबाजारी की आशंका जताई जा रही है। इधर जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने उर्वरक बिक्री केंद्र मां एजेंसी गाजीपुर कुंडा, श्रीराहब जी कृषि सेवा केंद्र कुरैया पूरनपुर, सुरभि एग्रो पूरबा भूरा मरौरी और महालक्ष्मी खाद भंडार जितौरिया पूरनपुर का लाइसेंस निलंबित करते नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस में इन चारों उर्वरक बिक्री केंद्रों के संचालकों से रात में किन-किन किसानों को खाद की बिक्री की गई और रात में खाद की बिक्री क्यों की गई, इसको लेकर 29 नवंबर तक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि के अंदर जवाब दाखिल न करने वाले उर्वरक बिक्री केंद्रों का लाइसेंस निरस्त करते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम गौहर निवासी जीनत ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसका निकाह गांव के तावेज से 18 जून 2022 को हुआ था। निकाह के कुछ समय बाद से पति तावेज, ससुर हनीफ, सास समीम, नंद मुस्कान, फरहाना, नंदोई मोहम्मद आरिफ, फुफेरे भाई सगीर अहमद और उनकी पत्नी किश्वर जहां 15 लाख रुपये दहेज मांगने लगे। मांग पूरी न होने पर मारपीट की। 12 अक्टूबर 2022 को उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। जिसके बाद वह मायके में रह रही थी। 10 नवंबर को आरोपी एकत्र होकर उसके घर आए और दोबारा मारपीट की गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

घायल की इलाज के दौरान मौत

बीसलपुर, अमृत विचार: गजरौला मार्ग पर ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पकड़िया बिंदुआ निवासी अमित शुक्ला(25) रविवार शाम 6 बजे गांव से बीसलपुर आ रहे थे। भसूड़ा पुलिया के पास पहुंचते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी थी। जिसमें वह घायल हो गए थे। सीएचसी से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया, वहां बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके अलावा ग्राम अमृता खास निवासी रीतराम व संजीव को भड़रिया पुल के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दोनों घायल हो गए।

पुलिसकर्मियों को कराएं शस्त्राभ्यास

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एएसपी विक्रम दहिया ने बुधवार को थाना जहानाबाद का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, सीसीटीएनएस, महिला / साइबर हेल्पडेस्क, हवालात आदि की व्यवस्था परखी।

पुलिसकर्मियों को नियमित साप्ताहिक शास्त्राभ्यास कराने, अभिलेखों को अद्यावधिक रखने, लंबित माल-मुकदमाती व लावारिस वाहनों का अभियान चलाकर निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। परिसर की साफ-सफाई, सीसीटीवी की नियमित जांच-रखरखाव, फ्लाई शीट व हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग के भी निर्देश दिए गए। इस मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक/ सीओ सदर नताशा गोयल मौजूद रहीं।

जहानाबाद थाने का निरीक्षण करते एएसपी विक्रम दहिया। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

पीलीभीत

पटरी पर नहीं आ रही धान खरीद क्रय केंद्र पर किसान परेशान

भाकियू चढ़ूनी के जिला अध्यक्ष की अगुवाई में एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: धान खरीद शुरू हुए दो माह पूरी होने को है इसके बाद भी व्यवस्था अभी भी पूरी तरह से पटरी पर नहीं आ सकी है। क्रय केंद्रों पर धान का उठान न होने से अव्यवस्था हावी है। वहीं, कुछ क्रय केंद्र प्रभारी मनमानी कर किसानों को परेशान करने में जुटे हुए हैं। किसानों से जुड़े इन्हीं मुद्दों को लेकर भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ने पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा। जिसमें समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन में बताया कि धान में कमी दिखाकर टोकन एक माह बाद रिजेक्ट किए गए हैं। जबकि अगर धान की क्वालिटी में कमी थी तो जांच के समय ही बताया जाना चाहिए था। यह मांग की गई कि धान रिजेक्ट होने की स्पष्ट एवं लिखित वजह दी जाए। टोकन जारी होते समय ही क्वालिटी की कमी बताई जाए। जिन किसानों के टोकन देर से रिजेक्ट किए गए हैं, उनके टोकन को मान्य किया जाए।कहा कि धान उठान बंद होने से मंडी में जगह नहीं है। इसके बाद भी उठान नहीं शुरू किया गया है। जब जगह ही नहीं है तो किसान अपना धान कैसे बेचेंगे। तत्काल धान उठान शुरू कराने की मांग की। संबंधित मांगों का समाधान न होने पर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो, प्रदेश सचिव गुरविंदर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष गुरजिंदर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह, तहसील उपाध्यक्ष रेशम सिंह, जग्गा सिंह, त्रिलोचन सिंह, ब्लॉक सचिव सुखवीर सिंह, रामलाल, दयाराम, जाहिद खान, शकील खान आदि मौजूद रहे।

पूरनपुर एसडीएम को ज्ञापन देते भाकियू चढ़ूनी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- ज्ञापन में बताया, एक माह बाद निरस्त कर दिए गए जारी किए टोकन, उठान भी नहीं

दिनभर सूने रहे अधिकांश क्रय केंद्र

मंडी समिति पीलीभीत में भी पिछले कई दिनों की तरह बुधवार को भी अधिकांश धान क्रय केंद्र सूने रहे। कुछ क्रय केंद्रों से उठान कराया जा रहा था, जबकि इक्का दुक्का में ही तौल चल रही थी। कईयों के तो क्रय केंद्र पर कोई कर्मचारी भी नहीं था। डस्टर, तराजू आदि संसाधन तालों में कैद थे। आलम ये था कि मानों धान खरीद पूरी हो चुकी हो।

पटवारी की लापरवाही, किसान परेशान

इसके अलावा कहा कि शारदी नदी के पास तराई क्षेत्र में बाढ़ से नष्ट फसलों का मुआवजा नहीं मिल सका। समय पर सर्वे न होने और जिम्मेदारी की लापरवाही का खामियाजा किसान को भुगतना पड़ा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पुनः सर्वे कराने और सर्वे में हुई लापरवाही के लिए संबंधित पटवारी/अधिकारी पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई। इसके अलावा प्रभावित किसानों को न्यायपूर्ण मुआवजा देने की मांग की है।

भाकियू कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय के बाहर दिया धरना

डीएम कार्यालय के बाहर धरने को संबोधित करते भाकियू जिलाध्यक्ष। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपकर की निस्तारण कराने की मांग

अमृत विचार: एमएसपी गारंटी कानून समेत विभिन्न लंबित मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ता नाराज है नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पदाधिकारियों की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने डीएम को 11 सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की।

राष्ट्रीय आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के तमाम कार्यकर्ता बुधवार को जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्र हुए। यहां से सभी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय के बाहर पहुंचे। यहां जुलूस धरने में तब्दील हो गया। धरना स्थल पर हुई पंचायत में जिलाध्यक्ष ने कहा की किसानों की समस्याओं को लेकर दिल्ली के सभी बॉर्डर पर आंदोलन किया गया था। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा लिखित आश्वासन दिया गया कि एमएसपी गारंटी कानून को लेकर कमेटी बनाकर एवं सीटू प्लस आदि समस्याओं का समाधान शीघ्र किया जाएगा। मगर पांच वर्ष पूरे होने के बाद भी केंद्र सरकार ने समस्याओं का समाधान नहीं किया। मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह काहलों ने कहा कि हाल में अधिसूचित चार श्रम संहिताएं तुरंत वापस ली जाए। धरना प्रदर्शन में प्यारेलाल वर्मा, गुरदीप सिंह, धर्मेंद्र सिंह चौहान, गुरजीत सिंह, मोहम्मद इलियास समेत अन्य रहे।

केंद्रीय मंत्री ने किया डेंटल क्लीनिक का उद्घाटन

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बीजेपी के जिला महामंत्री लेखराज भारती के बड़े पुत्र डॉ. नितिन भारती का अस्पताल (डॉ. नितिन डेंटल एंड इंप्लांट सेंटर) चंदोई में शुरू हुआ है। एक दिन पूर्व मंगलवार को इसकी शुरुआत केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने इसका उद्घाटन किया।

उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण किया और वहां पर उपस्थित लोगों से सुविधाओं के बारे में जानकारी की। डॉ. नितिन ने क्लीनिक की सुविधाओं के बारे में बताया। कहा कि सीबीसीटी द्वारा डिजिटल एक्स रे करके इंप्लांट की उच्च सुविधा भी है। यहां लोगों को उच्च स्तरीय इलाज की सुविधा मिलेगी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह , नगर पालिका अध्यक्ष पीलीभीत डॉ. आस्था अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

फीता काटकर क्लीनिक का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद।

प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

पीलीभीत, अमृत विचार: ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत के आह्वान पर बुधवार को जिला अध्यक्ष शिव शंकर राय की अगुवाई में एक शिष्ट मंडल ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को सौंपा। इस दौरान अनुरोध किया कि इस ज्ञापन को अपनी टिप्पणी समेत प्रधानमंत्री को भिजवाया जाए। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद लोधी, मंडल उपाध्यक्ष चिरंजीव गौड़, जिला मंत्री राजेश मिश्रा, वेदपाल सिंह, पीके शुक्ला, आरपी मिश्रा, अनिल मिश्रा, महेश कुमार, मोहम्मद असलम, राजेश अवस्थी, मेवराम वर्मा, विनोद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ सम्मानित

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एआईआर) में बीएलओ राजेश कुमार एवं तापसी मंडल ने विधानसभा बरखेड़ा में मतदाताओं से गणना प्रपत्र वापस प्राप्त कर उन्हें डिजिटाइज्ड करने का कार्य सबसे पहले पूरा कर लिया।

दोनों बीएलओ के उत्कृष्ट कार्य करने पर बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने राजेश कुमार और तापसी मंडल को सम्मानित किया और विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण में दिये गये दायित्व को सर्वप्रथम पूरा करने पर कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों बीएलओ द्वारा किया गया कार्य अन्य कार्मिको के लिए प्रेरणादायक है। इस दौरान एडीएम न्यायिक रोशनी यादव मौजूद रहे।

बीएलओ को सम्मानित करते डीएम।

मारपीट के आरोपी को भेजा जेल

गजरौला, अमृत विचार : जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे ग्राम पिपरिया करम के निवासी कुलवीर सिंह को शाहगढ़ तिराहा से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक लोहे की कस्सी बरामद की गई। एसओ बृजवीर सिंह ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

एसआईआर की दी गई जानकारी

मझोला, अमृत विचार: नेहरू इंटर कॉलेज में नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने एसआईआर को लेकर लोगों को जागरूक किया। शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों से संवाद किया गया। इस मौके पर नगर पंचायत लिपिक बैजनाथ यादव, प्रधानाचार्या शोभा वर्मा, सभासद सलीम इदरीसी, पूर्व सभासद लियाकत सलमानी आदि मौजूद रहे।

शहीदी दिवस पर सजा दीवान

अमरिया, अमृत विचार: क्षेत्र के बड़ेपुरा गुरुद्वारे में गुरु श्रीतेग बहादुर के शहीदी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत गुरुद्वारे में दीवान सजाया गया। गुरुद्वारे में बुधवार को विशेष रूप से सजे दीवान पर बड़ी संख्या में संगत ने मत्था टेका। स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क कैंप लगाया गया। गुरुद्वारें के जत्थेदार बाबा मोहन सिंह ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में विशेष दीवान के साथ ही लंगर चलता रहा। संत बाबा नरेंद्र सिंह,संत बाबा बलविंदर सिंह, जत्थेदार बाबा मोहन सिंह, बाबा कमल जीत सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने पेश किए ज्ञानवर्धक मॉडल

पीलीभीत, अमृत विचार : इकरा पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसकी शुरुआत एसएन इंटर कॉलेज के वरिष्ठ प्रवक्ता साजिद अली खान ने कराई। जूनियर वर्ग कक्षा 6 से 8 और सीनियर वर्ग कक्षा से 10 तक रहा। दोनों वर्गों के बच्चों ने ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। विज्ञान प्रवक्ता नाजिर हुसैन का सहयोग रहा। प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए गए। निर्णायक लक्ष्मीकांत शर्मा रहे। सीनियर वर्ग में हमदान अशरफ प्रथम, अरीबा द्वितीय, मुंतहा शम्सी तृतीय रहीं। सांत्वना पुरस्कार मनहा अशरफी, कनीज फातिमा को दिया। जूनियर वर्ग में माहेनूर प्रथम, शिफा फातिमा द्वितीय, अल्फिशा तृतीय रही। सांत्वना पुरस्कार फिज़ा फैज खान को दिया गया। प्रधानाचार्य अखलाक हसन खान ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सखावत उल्ला खान, मंसूर अली खान, अयाज अहमद खान, कमाल शमसी, नसीम शमसी, तारिक अली, रजनी सक्सेना, मधु सक्सेना आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर बच्चों ने पेश किया नुक्कड़ नाटक

पीलीभीत, अमृत विचार : बेनहर स्कूल में बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से भारत की सार्वभौमिक और संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को दर्शाने का सराहनीय प्रयास किया। नाटक की रूपरेखा हेड मिस्ट्रेस जूनियर नेहा पांडे ने तैयार की। एक्टिविटीज इंचार्ज रोशनी बग्गा ने मार्गदर्शन किया। संस्थापक प्रधानाचार्या रंजीत सैहमी ने विद्यार्थियों की सराहना की। सामाजिक अध्ययन की शिक्षिका मंजू दुलवानी, नूपुर अग्रवाल और नीलम मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर गुरांश सिंह, विराज जायसवाल, देव गंगवार, उमैमा मिर्जा, प्रकुल अग्रवाल, शिवांश, अशमीत, सुशांत, शौर्य, अनिष्का ,अलिश्बा समेत अन्य रहे।

रोबोटिक्स प्रदर्शनी में बच्चों के बनाए मॉडल की हुई सराहना

पीलीभीत, अमृत विचार : लिटिल एंजेल्स स्कूल में बुधवार को रोबोटिक्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के कक्षा तीन से सात तक के विद्यार्थियों द्वारा रोबोटिक्स के मॉडल बनाकर प्रदर्शित किए गए। बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल की अभिभावकों द्वारा प्रशंसा की गई। प्रबंधक डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रधानाचार्य एनसी पाठक ने सभी मॉडल देखे और बच्चों की प्रतिभाओं को सराहा। बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने में लगे शिक्षक एवं शिक्षिकाओं आंचल, भुवनेश,अमित मिश्रा, शुभांगी गोयल, खुशबू श्रीवास्तव, साक्षी मिश्रा के प्रयासों को भी सराहा।

संविधान बचाओ संकल्प सभा में रखे विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय की अध्यक्षता में संविधान दिवस के अवसर पर ट्रांस शारदा क्षेत्र में संविधान बचाओ संकल्प सभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कुलदीप भार्गव भी शामिल हुए और कई विषयों पर विचार रखे। ओबीसी की जातिवार जनगणना का मुद्दा उठाया। आरक्षण और संविधान पर विश्लेषण, ईवीएम प्रणाली का लोकतंत्र पर प्रभाव, प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण की मांग आदि बिंदुओं पर विचार रखा गया। इसके अलावा मंडल कमीशन की सिफारिशों का पूर्ण क्रियान्वयन करने की मांग की गई।

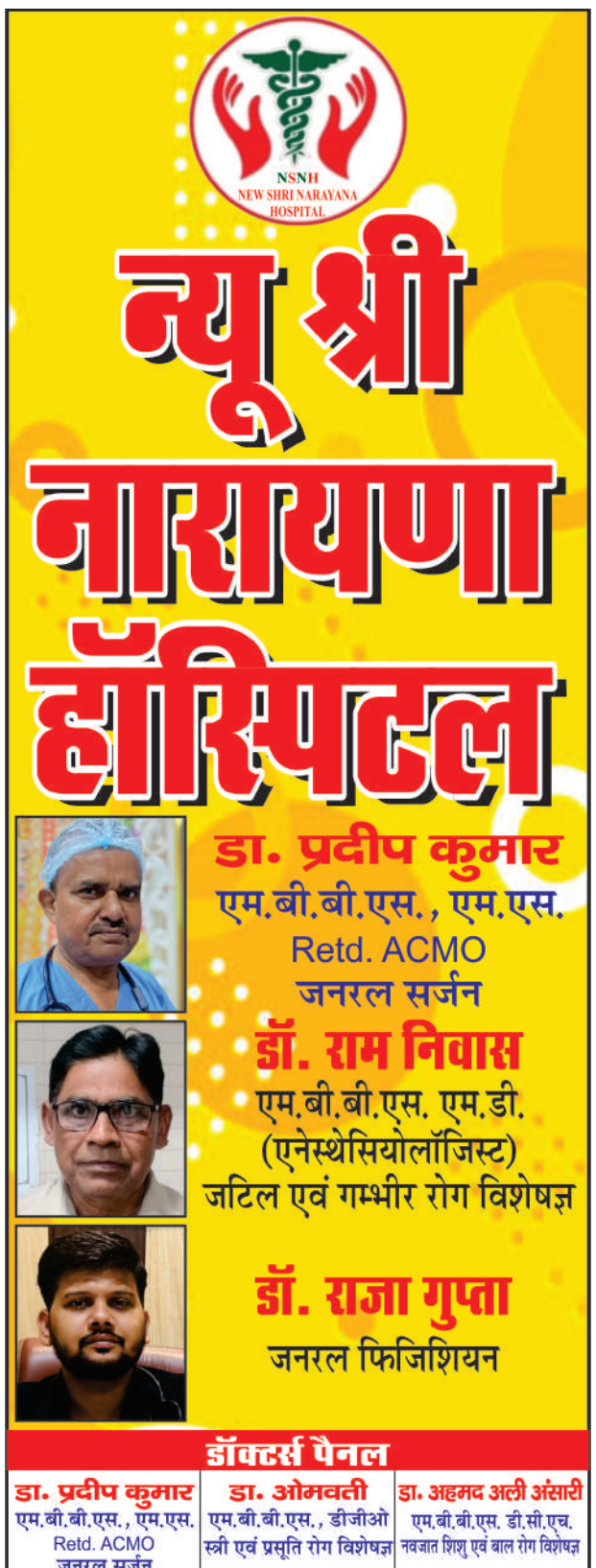

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.44
सूर्यास्त 05.16

जिले में आज

- यातायात माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत कई जगह विशेष कैंप सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर गेट चौकी प्रभारी आकाश तेवतिया टीम के साथ चिड़ियादाह गांव के पास गश्त कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर दबिश देकर गांव के ही ताज मोहम्मद को गिरफ्तार किया। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किया। आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

विवाह समारोह के दौरान मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम खरगापुर निवासी परमल हलदार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया वह थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के एक बरात घर में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने आया था। विवाह समारोह के दौरान करन और रोहित डीजे पर डांस कर रहे थे। आरोपियों ने अचानक उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मौजूद लोगों ने बीच बचाव कराया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बांका से महिला पर किया जानलेवा हमला

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम जटपुरा निवासी नन्हीं देवी पत्नी बालक राम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 19 नवंबर को वह प्लाट में उपले थोप रही थीं। तभी पड़ोस की नन्हीं देवी पत्नी नंदलाल और उनके पुत्र योगेश उसे गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने बांका से वार कर घायल कर दिया। शोर होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

डीएम-एसपी ने संविधान दिवस की दिलाई शपथ

कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइन और स्कूलों में भी हुए कार्यक्रम, संविधान का महत्व बताया, प्रतियोगिताएं भी कराई, कई पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिलेभर में बुधवार को संविधान दिवस उत्साह, उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट में उद्देशिका का पाठन किया गया, जबकि स्कूलों में प्रतियोगिता कराई गई। संविधान का महत्व भी विस्तार से बताया गया।

संविधान दिवस पर डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संविधान की आत्मा उद्देशिका का पाठन किया गया। एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर समेत कई जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में डीएम ने अधिकारियों कर्मचारियों के साथ संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। लखनऊ में संविधान दिवस पर आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखी और सुनी गई।

डीएम ने कहा 26 जनवरी, 1950 को संविधान हमारे देश में लागू हुआ, लेकिन संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949 को ही संविधान अंगीकृत कर लिया गया था। संविधान की महत्ता एवं कर्तव्य बोध समझाने के उद्देश्य से व्यापकता के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रहित और लोकहित के दृष्टिगत संविधान के आदर्शों का पालन करने का संकल्प लिया गया। उधर, पुलिस लाइन में संविधान दिवस के अवसर पर एसपी अभिषेक यादव की अगुवाई में कार्यक्रम हुआ। जिसमें पुलिसकर्मियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाए रखने, राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार सिंह आदि मौजूद रहे। इसके अलावा रामलुभाई साहनी महिला डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉ. सचिन गिहार की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। इसका संयोजन डॉ. फजलुर रहमान और संचालन डॉ. बरखा ने किया। करीब 100 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संविधान दिवस के इतिहास एवं महत्व पर प्रकाश डाला। संविधान आधारित क्विज़ प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें छात्राओं ने मूल अधिकार, कर्तव्य, प्रस्तावना और प्रमुख अनुच्छेदों से जुड़े प्रश्नों का उत्तर दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसके बाद विचार गोष्ठी हुई, जिसमें संविधान और लोकतांत्रिक भारत विषय पर प्रतिभागियों ने विचार रखे।

गांधी सभागार में संविधान दिवस कार्यक्रम में शपथ दिलाते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। • अमृत विचार

पुलिस लाइन में राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाते एसपी अभिषेक यादव। • अमृत विचार

धर्म और उपासना का अधिकार देता है हमारा संविधान

मझोला, अमृत विचार : चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संविधान दिवस पर हुए कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य सत्येन्द्र सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन करके कराई। उन्होंने बताया कि हमारा संविधान देश का सर्वोच्च विधान है, जो सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म और उपासना का अधिकार व अवसर की समानता प्रदान करता है। आचार्य अमित पांडेय ने कहा कि यह दिन डॉ. भीमराव अंबेडकर को सम्मान देने के लिए भी मनाया जाता है। विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान गाया। इस दौरान समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

गलत को गलत और सही को सही कहने पर दिया जोर

उपाधि महाविद्यालय के सभागार में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इसका विषय भारतीय संविधान की मूल संरचना एवं संस्थाओं की भूमिका रहा। प्राचार्य डॉ .दुष्यंत कुमार, कार्यक्रम संयोजक विपन कुमार नीरज ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुरुआत कराई। निखिल, अरविंद, सृष्टि, अनुष्का, आन्या सिंह ने भारतीय संविधान पर विचार व्यक्त किए। एडवोकेट शम्श विकास ने संविधान की मूल भावना एवं मौलिक अधिकार पर चर्चा की। एडवोकेट देवी सिंह संविधान के मौलिक अधिकारों पर बात रखी। ईश्वर दयाल पासवान ने बाबा साहब अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। एडवोकेट अजय शम्सा ने संविधान के विषय में हमारी न्याय प्रणाली पर ध्यान आकृष्ट किया। गलत को गलत और सही को सही कहने पर बल दिया। छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार आन्या सिंह, द्वितीय पुरस्कार सृष्टि और तृतीय पुरस्कार अरविंद कुमार को मिला। अनुष्का को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर डॉ. विजय अग्रवाल, डॉ. अमित सक्सेना, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा, डॉ. विशाल सक्सेना आदि मौजूद रहे।

एंबुलेंस में प्रसव के मामले की जांच शुरू

बरखेड़ा, अमृत विचार : सीएचसी पर प्रसव के लिए पहुंची दो महिलाओं का स्टॉफ की लापरवाही से एंबुलेंस में ही प्रसव हो गया। मामला संज्ञान में आने के बाद कार्यावाहक सीएमओ ने इसकी जांच शुरु की। उन्होंने एमओआईसी और स्टाफ से जवाब तलब किया है।

गांव कबूलपुर निवासी आरती देवी और दियोहना निवासी पूजा देवी को अलग-अलग समय पर सीएचसी में प्रसव के लिए लेकर आया गया था। पहली गर्भवती को सोमवार रात 10:05 बजे और दूसरी को मंगलवार सुबह 4 बजे एंबुलेंस लेकर पहुंची थी। मगर स्टाफ की हीलाहवाली के चलते दोनों ही महिलाओं का एंबुलेंस में प्रसव हो गया। प्रसव के बाद ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स ने उन्हें अटेंट किया। जिसके बाद उन्हें भर्ती कर आगे का इलाज किया गया। एंबुलेंस में हुए असुरक्षित प्रसव को लेकर परिवार वालों ने भी ऐतराज जताया। कार्यावाहक सीएमओ डॉ. एस के सिंह ने संज्ञान लेते हुए एमओआईसी डॉ. लोकेश गंगवार से जानकारी की। बुधवार को एमओआईसी डॉ. लोकेश की ओर से अपना जवाब सीएमओ को भेजा गया। जिसमें उन्होंने स्टाफ का बचाव करते हुए जिक्र किया कि दोनों गर्भवतियों को स्ट्रेचर या व्हील चेयर से लेवर रुम तक ले जाना संभव नहीं था। इसलिए स्टाफ नर्स ने ही एंबुलेंस ने प्रसव कराया। जबकि एंबुलेंस में प्रसव स्वयं ही हुआ था।

संविधान दिवस पर हुई करियर कार्यशाला

संविधान दिवस पर शपथ लेते विद्यार्थी व शिक्षक। • अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर करियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत प्राचार्य डॉ. अलका मेहरा ने कराई। डॉ. दरख्शा, विकास प्रधान, डॉ. पवन त्रिवेदी, डॉ. जगदम्बा, डॉ. रजत गंगवार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चन्दप्रभा, डॉ. पूर्णिमा, डॉ. रोहित, डॉ. महेन्द्रपाल, कार्यालय अधीक्षक दिनेश बाथम के द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया। संचालन डॉ जगदंबा कुमार ने किया। डॉ. विकास प्रधान ने संविधान की विशालता पर प्रकाश डाला। छात्रा खुशी पाठक ने संविधान की शपथ दिलाई। नारायण ग्रुप ऑफ टेक्नोलॉजी के कॅरियर कौन्सिलरस वंशिता और काजल ने छात्र छात्राओं को बेहतर भविष्य को लेकर टिप्स दिए। सफी डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉ. राजेंद्र कुमार की मौजूदगी में संविधान दिवस मनाया गया।

कैंसर की रोकथाम के लिए किशोरियों को लगेगा टीका

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- शासन के निर्देश पर शुरू हुआ अभियान, टीकाकरण से नहीं होगा गर्भाशय का कैंसर
- जिले में 25 हजार से अधिक किशोरियों का होगा टीकाकरण स्कूलों से होगी शुरुआत

अमृत विचार : किशोरियों में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर के खतरे को रोकने के लिए अभियान की शुरुआत हो रही है। शासन स्तर से मिले निर्देशों के बाद जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस टीकाकरण से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की आशंका को लगभग समाप्त किया जा सकता है। जिले की 25 हजार से अधिक किशोरियों को इस सुरक्षा कवच से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है। स्वास्थ्य टीमें छात्राओं की सूची तैयार करने, अभिभावकों की काउंसलिंग और टीकाकरण व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुट गई हैं। उम्मीद है कि अगले माह इसकी शुरुआत हो सकती है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस के सिंह ने बताया कि किशोरियों के लिए सर्वाइकल कैंसर के बचाव की निः शुल्क वैक्सीन लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। इस टीकाकरण के लिए सरकार की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने को है। इसके बाद स्थानीय स्तर पर टीमों को तैयार कर बड़े पैमाने पर इस अभियान को शुरू कराया जाना है। इधर, इस टीकाकरण को सफल बनाने के लिए आशाओं के माध्यम से नौ से 14 वर्ष की आयु वर्ग वाली किशोरियों को भी चिह्नित किया जा रहा है। टीकाकरण अभियान अगले महीने शुरू कराया जा सकता है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए अभी निजी अस्पतालों में वैक्सीन लग रही है। जहां करीब दो से 12 हजार रुपये खर्च होता है। जबकि सरकारी अस्पतालों में यह सुविधा नहीं थी। सर्वाइकल कैंसर के केस बढ़ने के बाद शासन गंभीरता दिखाते हुए अभियान चालू किया है। जिसमें नौ से 14 वर्ष की किशोरियों के लिए बड़े पैमाने पर निःशुल्क टीकाकरण कराया जाएगा। यह अभियान किस तरह से चलाया जाना है और इसके लिए क्या गाइडलाइन हैं, निदेशालय ने इसकी ट्रेनिंग लगभग पूरी करा दी है। टीकाकरण अभियान को पूरा कराने के लिए टीमें तैयार की जाएंगी। इसके अलावा यह वैक्सीन लगाने का लक्ष्य क्या होगा, इसके लिए जिलेभर की आशाओं को चिह्नीकरण के लिए लगाया जाएगा।

ये दिखाई देते हैं लक्षण

सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के सबसे नीचे के भाग का घातक ट्यूमर होता है, जो गर्भाशय के निचले हिस्से से शुरू होता है, जिसे गर्भाशय ग्रीवा कहते हैं। ज्यादातर सर्वाइकल कैंसर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के संक्रमण के कारण होता है। यह कैंसर शुरुआती दौर में कोई लक्षण नहीं दिखाता, लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे यह गंभीर होता जाता है, लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जैसे पैर में सूजन होना, अनियमित पीरियड्स आना, अत्यधिक रक्तस्राव होना, पेशाब करने में परेशानी होना आदि।

विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा का समापन

अमृत विचार: युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से पूरनपुर के सेंट जोसफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की जा रही दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हो गया। विजेताओं को विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान और एसडीएम अजीत प्रताप सिंह ने पुरस्कृत किया। बालिका वर्ग कबड्डी में क्रांति देवी की टीम विजयी रही।

सब जूनियर बालक कबड्डी में सानू टीम, जूनियर बालक वर्ग कबड्डी में शाहबाज की टीम, सीनियर में अकाल एकेडमी, सब जूनियर बालिका वर्ग में सेंट जोशफ की टीम विजेता बनी। फुटबॉल जूनियर बालिका वर्ग में अकाल एकेडमी, सीनियर वर्ग में सिंह क्लब, सब जूनियर बालक वर्ग में फाइटर क्लब, जूनियर बालक वर्ग में पिंक क्लब, सीनियर बालक वर्ग में अकाल एकेडमी नेबाजी मारी। बैडमिंटन सब जूनियर बालक वर्ग में सेंट जोशफ बालिका वर्ग सीनियर में फाइटर क्लब जीता। विद्यालय के प्रिंसिपल ग्रेगरी मास्क्रेनस, प्रबंधक रैमेज सेबेस्टियन का सहयोग रहा। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पूरनपुर छविराम सिंह, संजय पांडे, कबड्डी सचिव गुरमेज सिंह, प्रशांत शुक्ला, संजीव, शांति स्वरूप, भवानी शंकर, रेहान राजा, पिंकी सिंह, रामआसरे पासवान, गामा सिंह, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, शाह सिंह, मनीष सर, महेश यादव, सर्वेश गंगवार, विजय प्रताप सिंह, अर्जुन सिंह गंगवार आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के समापन पर विधायक बाबूराम पासवान संग विजेता। • अमृत विचार

बाबा देवदास ने राहुल पहलवान को हराया

दंगल में दावपेंच दिखाते पहलवान। • अमृत विचार

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: क्षेत्र के सरैंदा पट्टी गांव में हजरत मस्तान शाह मियां के 159 वें सालाना उर्स में चल रहे दंगल में बुधवार को पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए।

स्टील बॉडी पहलवान कलियर शरीफ ने राजा पहलवान मेरठ को चित किया। बाबा देवदास पहलवान अयोध्या ने राहुल पहलवान हरियाणा को हराया। हसनैन पहलवान रिठौरा और विशाल पहलवान पीलीभीत के बीच बराबरी का मुकाबला रहा। भूरा पहलवान पीलीभीत और हसनैन पहलवान रिठौरा के बीच बराबरी की कुश्ती हुई। इस मौके पर हिमायूं अंसारी, खालिद खां, डॉ.शफीक अहमद, परवेज खां, मोहम्मद इस्लाम, आदिल रजा, हाजी सादिक रजा, फैज मंसूरी, अकरम मलिक, शादाब मलिक, वासिल खां आदि मौजूद रहे।

निमोनिया से बचाने को चलेगा अभियान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- घर-घर स्क्रीनिंग, टीकाकरण और होगा सत्यापन, सीएचसी भी की गई एक्टिव
- अभिभावकों को ठंड और प्रदूषण से बच्चों को बचाने के बताए जाएंगे तरीके

अमृत विचार : सर्दी की दस्तक के साथ जिले में निमोनिया का खतरा बढ़ने लगा है। संक्रमण से बचाव और समय पर पहचान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निमोनिया नहीं तो बचपन सही टैगलाइन के साथ अभियान शुरु किया है। यह अभियान 28 फरवरी तक चलेगा। घर-घर स्क्रीनिंग, बच्चों का टीकाकरण, रिकॉर्ड सत्यापन और सीएचसी को एक्टिव मोड में लाकर प्रशासन ने व्यापक तैयारी कर ली है। वहीं अभिभावकों को ठंड और बढ़ते प्रदूषण से बच्चों को सुरक्षित रखने के तरीके बताए जाएंगे, ताकि मौसम बदलते ही बढ़ने वाले संक्रमण पर रोक लगाई जा सके।

जिले में बढ़ती सर्दी के साथ बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सांस और निमोनिया जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 28 फरवरी तक विशेष सांस अभियान चलाने की तैयारी की है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को निमोनिया से बचाना और अभिभावकों को जागरूक करना है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर बच्चों की स्क्रीनिंग करेगी और रिपोर्ट विभाग को सौंपेगी। खासकर छोटे बच्चों में निमोनिया के मामले तेजी से सामने आते हैं। इसी वजह से इस बार अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी सीएचसी को एक्टिव मोड में काम करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मेडिकल कॉलेज के ओपीडी में भी निमोनिया से बचाव और उपचार की जानकारी दी जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से ओपीडी में रोजाना कई बच्चे निमोनिया जैसे लक्षणों के साथ पहुंच रहे हैं, जिनका तुरंत इलाज किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर ने बताया कि बच्चों को ठंड से बचाना बेहद जरूरी है। सुबह और शाम के समय बच्चों को गर्म कपड़े पहनाए जाएं और कमरे में उचित तापमान बनाए रखा जाए, जिससे संक्रमण का खतरा कम हो सके।

सभी सीएचसी को किया गया अलर्ट

इस अभियान में जिले की सभी आशा कार्यकर्ताओं को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। आशा और अन्य स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चों की स्क्रीनिंग करने के साथ ही टीकाकरण की स्थिति का सत्यापन करेंगे। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके सिंह ने बताया कि सभी सीएचसी को अलर्ट कर दिया गया है और चिकित्सा अधिकारियों को अभियान को गंभीरता से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुविधा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और जितिन प्रसाद वीडियो कांफ्रेसिंग से स्पेशल ट्रेन को पूरनपुर से दिखाएंगे हरी झंडी

गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस आज पूरनपुर से होगी रवाना, यात्रियों को मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: आखिरकार लंबे इंतजार के बाद गुरुवार से बरेली के इज्जतनगर से मैलानी तक सीधी रेल सेवा शुरू को जाएगी। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुरुवार को गोरखपुर-इज्जतनगर उद्घाटन स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर पूरनपुर से इज्जतनगर के लिए रवाना करेंगे।

इस अवसर पर पूरनपुर स्टेशन पर एक समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और इलेक्ट्रानिकी एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। बरेली से मैलानी होते हुए आगे तक सीधी ट्रेन चलाने की यात्री लंबे समय से मांग कर रहे थे। रेल मंत्रालय ने करीब एक सप्ताह पहले 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस को इज्जतनगर तक चलाने की स्वीकृति दी। पहले इसे 24 नवंबर से चलाने का कार्यक्रम जारी किया गया लेकिन फिर इसे टाल दिया गया था, जिससे लोगों को कुछ निराशा हुई थी लेकिन फिर इसे 27 नवंबर से चलाने का कार्यक्रम जारी किया गया।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पूर्वोत्तर रेलवे पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को 05009 उद्घाटन स्पेशल ट्रेन पूरनपुर से 15.00 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत से 16.00 बजे, भोजीपुरा से 16.35 बजे छूटकर इज्जतनगर 16.55 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन का गोरखपुर से नियमित संचालन 27 नवंबर और इज्जतनगर से 28 नवंबर से विस्तारित मार्ग पर किया जाएगा। ट्रेन 15009 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस गोरखपुर से 22.15 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर पूर्ववत रुकते हुए दूसरे दिन बाराबंकी से 05.08 बजे, गोमतीनगर से 05.47 बजे, बादशाहनगर से 05.58 बजे, डालीगंज से 06.45 बजे, मोहिबुल्लापुर से 06.55 बजे, सिधौली से 07.27 बजे, सीतापुर जंक्शन से 08.01 बजे, हरगांव से 08.24 बजे, लखीमपुर से 08.50 बजे, गोला गोकर्णनाथ से 09.17 बजे, मैलानी से 10.00 बजे, पूरनपुर से 10.31 बजे, पीलीभीत से 11.45 बजे और भोजीपुरा से 12.17 बजे छूटकर इज्जतनगर 12.45 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 15010 इज्जतनगर-गोरखपुर एक्सप्रेस इज्जतनगर से 15.10 बजे चलकर भोजीपुरा से 15.27 बजे, पीलीभीत से 16.10 बजे, पूरनपुर से 17.10 बजे, मैलानी से 18.05 बजे दूसरे दिन निर्धारित स्टेशनों पर पूर्ववत रुकते हुए गोरखपुर 07.00 बजे पहुंचेगी।

पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस के विस्तार के बाद ट्रेन डालीगंज से लखनऊ जंक्शन के बीच नहीं चलेगी। ट्रेन में 16 कोच होंगे।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व और दुधवा पार्क जाने वालों को भी मिलेगी सुविधा

ट्रेन के इज्जतनगर तक विस्तार से गोरखपुर, आनन्दनगर, सिद्धार्थनगर, बढ़नी, बलरामपुर, गोंडा, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी एवं पूरनपुर के यात्रियों को एक बेहतरीन सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं दुधवा नेशनल पार्क जाने वाले यात्रियों को विशेष सुविधा होगी।

पूरनपुर रेलवे स्टेशन का कराया गया सौंद्रर्यीकरण

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयास से पूरनपुर रेलवे स्टेशन पर सौंदर्यीकरण कार्य भी कराया जा रहा है। नए रैंप का निर्माण और जर्जर रोड का निर्माण कराया गया है। गुरुवार को होने वाले कार्यक्रम में पूरनपुर विधायक बाबूराम पाासवान, क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर पूर्व रेलवे गोरखपुर समेत कई रेलवे के अधिकारी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने इसे लेकर प्रधानमंत्री और रेलमंत्री का आभार जताया है। फिलहाल माना जा रहा है कि गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस के इज्जतनगर रेलवे स्टेशन तक विस्तार किए जाने से यात्रियों को लाभ मिलेगा।

अव्यवस्था के चलते मच्छरों की भरमार

न्यूरिया, अमृत विचार: नगर पंचायत क्षेत्र में नाले चोक होने और एमआरएफ सेंटर शुरू न होने से इन दिनों मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। मोहल्ला मोहम्मद यार खां, ठाकुरद्वारा, मोहल्ला ठेरा, नई बस्ती, मोहल्ला अब्दुल रहीम, तिगड़ी खेड़ा आदि में कई जगह नालों में गंदगी है, जिससे पानी निकास बंद है और मच्छर पनप रहे हैं। कूड़ा निस्तारण के लिए वैसे तो टनकपुर हाईवे पर एमआरएफ सेंटर बना है, लेकिन इसकी शुरुआत नहीं हुई है। कई जगह नालों पर अवैध निर्माण से पानी निकास की समस्या है। फिलहाल लोगों को मच्छरों की परेशानी से जूझना पड़ रहा है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

भोज में शामिल होने आईं मां-बेटी से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : महेवागंज के मंझरा फार्म निवासी आदित्य सिंह की पत्नी पूनम सिंह और पुत्री गुड़िया सिंह मंगलवार की रात मंझरा डीएफएस में निमंत्रण भोज में शामिल होने आई थी। रात करीब 9 :39 बजे आरोपी बाबूराम ने नशे की हालत में महिला से गाली गलौज की। जब महिला अपनी बेटी के साथ भोज से निकलकर निघासन रोड पर आई तो आरोपी ने अपने दो पुत्रों और भाई गुड्डू के साथ मिलकर मां-बेटी की पिटाई की। आरोप है कि महिला के गले पर पैर रखकर जान से मारने की कोशिश की गई। पुत्री ने जब यूपी 112 पुलिस को कॉल की तो उसका मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

वाहन की टक्कर से भाजपा नेता की मौत

बिलहरी, अमृत विचार : थाना

हैदराबाद क्षेत्र के गांव बिलहरी निवासी कुंभी मंडल के पूर्व अध्यक्ष हरिद्वारी लाल वर्मा (75) बुधवार को बाइक से अजान स्थित बैंक जा रहे थे। छिछोना गांव के निकट अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उनकी मौत से परिवार में चीख पुकार मच गई। वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

गन्ना लदी ट्राली में घुसी बाइक, चालक की मौत

मझगईं, अमृत विचार : पलिया निघासन स्टेट हाईवे पर बुधवार शाम मझगईं थाना क्षेत्र के धनीराम पुरवा के सड़क किनारे खड़ी गन्ना भरी दो ट्रॉलियों में पलिया थाना क्षेत्र के बड़ा पतवारा गांव निवासी 28 वर्षीय अजय की बाइक घुस गई, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मझगई पुलिस ने उसे सीएचसी पलिया भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

छटपटाते रहे सवार...और देखते-देखते डूब गई कार

सीपीआर देकर डॉक्टरों ने बचाई चालक की जान, पांच शव देख सिहर उठे लोग, ट्रैक्टर में रस्सा बांधकर खींची कार तब तक हो चुकी काफी देर

संवाददाता, लखीमपुर खीरी/निघासन

अमृत विचार: सोती सायफन में कार गिरने से पांच लोगों की मौत ने सभी के दिलों को झकझोर दिया है। कार में सवार लोग छटपटाते रहे और देखते देखते कार डूब गई। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने यह दर्दनाक नजारा देखा और पुलिस को सूचना दी। सभी को बाहर निकाला गया। सीपीआर दिया, लेकिन सिर्फ एक को ही होश आया। बाकी पांचों को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश कश्यप की भतीजी पारुल की शादी मंगलवार को थी, जिसमें शामिल होने के लिए पांचों कार सवार अल्टो कार से लखीमपुर शहर से सटे गांव सलेमपुर कोन आए थे। रात करीब 12 बजे किसी चीज के गिरने की तेज आवाज आई तो आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। कार सायफन में पड़ी देख सभी के होश उड़ गए। कार नहर में धीरे-धीरे डूब रही थी। उसमें सवार लोग छटपटा रहे थे। देखते ही देखते कार पानी में डूब गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। रस्सा और ट्रैक्टर का इंतजाम किया गया। नाव के सहारे लोग सायफन में उतरे और रस्सा बांधकर ट्रैक्टर की मदद से कार को बाहर निकाला। तब तक काफी देर हो चुकी थी। कार का लॉक न खुलने पर उसके ईंट-पत्थरों से शीशे तोड़ गए। इसके बाद सभी को बाहर निकाला गया। आनन-फानन में सभी को रमियाबेहड़ सीएचसी लाए गए, जहां सीपीआर देने पर बेसुध कार चालक बबलू को होश आ गया। अन्य पांच लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एक साथ बैराज के चार कर्मचारियों की मौत से उनके साथियों को गहरा सदमा पहुंचा है।

इसी सायफन में गिरी कार। ● अमृत विचार

सोती सायफन पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

कुछ दूर ही था घर... पर किस्मत साथ नहीं थी

कार में सवार सभी लोग शादी की खुशियों से लौट रहे थे। गाड़ी में हंसी-ठिठोली, गीत-संगीत और घर जल्द पहुंचने की बेचैनी थी। किसी ने सोचा भी नहीं था कि कुछ मिनट बाद यही खुशी चीखों और रुलाई में बदल जाएगी। करीब 20 मिनट का सफर बचा था। घर पर सभी को उम्मीद थी कि देर रात तक कार वापस आ जाएगी। किसी ने फोन किया तो जवाब मिला कि बस 15 से 20 मिनट में पहुंच रहे हैं, लेकिन वही कॉल बाद में परिजनों तक एक हादसे की खबर बनकर पहुंची। एक साथ पांच लोगों की मौत की सूचना ने माहौल मातम में बदल गया। घरों में चीख पुकार मच गई। महिलाओं का करुण क्रंदन सन्नाटे को चीर रहा था। जिसने सुना वह भी दंग रह गया। परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग मौके की तरफ दौड़ पड़े।

दो साल पहले हुई थी घनश्याम की शादी

हादसे में मारे गए घनश्याम की शादी दो साल पहले हुई थी। वह घाघरा बैराज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। उसकी पत्नी ललिता ने दो महीने पहले बेटी को जन्म दिया था। घनश्याम अभी अपनी बेटी का नामांकरण भी नहीं कर पाए थे। इससे पहले ही हादसे ने बेटी के सिर से पिता का साया छीन लिया। हादसे में मारे गए घनश्याम का चचेरा भाई जितेंद्र गोरखपुर से आईटीआई कर रहा था। हाल में ही उसने पासपोर्ट बनवाया था और उसे विदेश जाना था। तीसरे मृतक लालजी और अजीमुल्ला भी बैराज पर कर्मचारी थे और गिरिजापुरी सिंचाई कॉलोनी में रहते थे।

मृतक जितेंद्र मल्लाह।

मृतक सुरेंद्र मल्लाह।

मृतक लालजी मल्लाह।

मृतक घनश्याम मल्लाह।

एक रात में तीन अलग-अलग गांवों से तीन भैंस चोरी

बिलहरी, अमृत विचार: थाना हैदराबाद क्षेत्र के तीन गांवों में मंगलवार की रात पशु चोरों ने धावा बोल दिया और पशु बाड़ों में बंधी तीन दुधारू भैंस चोरी कर ले गए। इससे जहां पशु पालकों में चोरों की दहशत व्याप्त हो गई है। वहीं पुलिस की गश्त पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं।

हैदराबाद थाना क्षेत्र के घरथनिया गांव निवासी श्यामलाल वर्मा की भैंस अजान रोड पर मकान के बाहर बने बाड़े में बंधी हुई थी। बांसगांव निवासी नरेंद्र कुमार शुक्ल की भैंस बीच गांव में बने पशुबाड़े से व देवरिया गांव मे रामाधार भार्गव की भैंस गांव के पश्चिम घर के बाहर बने पशुबाड़े से कर मंगलवार की रात चोरी कर ले गए। पशुपालकों ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।ग्रामीणो ने आरोप लगाया है कि हैदराबाद पुलिस रात्रि गश्त के नाम पर क्षेत्र में दिखती ही नहीं, जिससे चोर बेखौफ होकर घटना को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस इस तरह के मामले को दबाने में जुटी रहती है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही हल्का इंचार्ज को मौके पर भेजकर जांच करने को कहा है।

मैगलगंज इंस्पेक्टर और दो एसओ लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- अपराध नियंत्रण में सुस्ती पर एसपी का कड़ा एक्शन

अमृत विचार: एसपी संकल्प शर्मा ने मंगलवार देर शाम पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल करते हुए मैगलगंज, नीमगांव और चंदन चौकी के थानाध्यक्षों को पुलिस लाइन रवाना कर दिया। माना जा रहा है कि एसपी ने यह कार्रवाई बढ़ते अपराधों और कानून व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर की है।

एसपी ने प्रभारी निरीक्षक मैगलगंज रविंद्र कुमार पांडेय, नीमगांव थानाध्यक्ष आदित्य कुमार मौर्य और चंदन चौकी प्रभारी दृगपाल सिंह गौड़ को मंगलवार की देर शाम लाइन हाजिर कर दिया था। माना जा रहा है कि नीमगांव थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरी और लूट की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। बीते दिनों सिकंदराबाद में मेडिकल व्यवसायी के घर हथियारों के बल पर हुई लूट ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए थे।

घटना के बाद भी पुलिस की जांच और कार्रवाई धीमी रही, जिसके चलते एसओ आदित्य कुमार मौर्य पर कार्रवाई की गई। मैगलगंज और चंदन चौकी क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों और आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी की शिकायतें एसपी तक पहुंची थी। इंस्पेक्टर व दो एसओ को एक साथ लाइन हाजिर किए जाने की कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

अज्ञात डीसीएम चालक पर रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: जनपद सीतापुर के मोहल्ला श्यामनाथन निवासी वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि 24 नवंबर की रात वह अपने मित्र ललित कुमार पुत्र रामराज निवासी असमोली थाना संभल और रवि कुमार के साथ नगर के बाईपास स्थित एक मैरिज हॉल में वैवाहिक समारोह में शामिल होने आया था। मैरिज हॉल के बाहर सड़क के किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे। तभी लखीमपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम चालक ने टक्कर मार दी, जिससे उनके मित्र ललित, रवि, राकेश को काफी चोटें आईं, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया। राकेश की हालत में सुधार न होने पर लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने डीसीएम चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दलित पैंथर ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- शिक्षिका के निलंबन को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा
- षड्यंत्र का आरोप, कार्रवाई न होने पर 10 दिसंबर के बाद आंदोलन की चेतावनी

डीएम कार्यालय पर ज्ञापन सौंपते भारतीय दलित पैंथर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्राथमिक विद्यालय खींचनपुरवा में तैनात रही प्रभारी प्रधानाध्यापिका कल्पना के निलंबन को लेकर भारतीय दलित पैंथर ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा है। आरोप है कि शिक्षिका को षड्यंत्र के तहत निलंबित किया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि 17 सितंबर 2024 को कल्पना को बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी, सहायक अध्यापिका उमा त्रिपाठी और डीसीएमआईएस पुष्पन श्रीवास्तव की मिलीभगत से उपस्थिति रजिस्टर में छेड़छाड़ के आरोप में निलंबित किया था। बाद में जांच के दौरान जब मूल उपस्थिति रजिस्टर प्रस्तुत करने को कहा गया, तो वह रजिस्टर गायब पाया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापिका कल्पना ने मामले की शिकायत 14 दिसंबर 2024 को थाना शारदानगर की थी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की।

संगठन का आरोप है कि उपस्थिति रजिस्टर गायब कराने में सहायक अध्यापिका उमा त्रिपाठी की संलिप्तता सामने आई है। इसके बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई। संगठन ने अपने ज्ञापन में दावा किया है कि इस प्रकरण में हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के आदेशों का भी अनुपालन नहीं किया जा रहा है। संगठन का आरोप है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कल्पना की दोषमुक्त बहाली रोकने के लिए प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे हैं। संगठन ने बताया कि इससे पहले भी 26 नवंबरऔर 15 मई ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

चेतावनी दी गई है कि यदि उपस्थिति रजिस्टर चोरी की एफआईआर दर्ज नहीं होती, जांच निष्पक्ष नहीं की जाती और पीड़ित शिक्षिका की बहाली पर निर्णय नहीं लिया जाता तो 10 दिसंबर के बाद पूरे जिले में आंदोलन शुरू किया जाएगा।

युवती के खाते से उड़ाए 19150 रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- 10 हजार व5 हजार खाते में ट्रांसफर करने का भेजा फर्जी संदेश
- साइबर जालसाजों ने एक युवती को परिचित बताकर दिया झांसा

अमृत विचार: साइबर जालसाजों ने एक युवती को परिचित बताकर पहले उसके खाते में 10 हजार और 5 हजार रुपये भेजने का फर्जी संदेश भेजकर भरोसे में ले लिया। बाद में उससे अपने खाते में 19150 रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित युवती की तहरीर पर सदर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर के मोहल्ला द्वारिकापुरी निवासी रिया सिंघल ने बताया कि बीती 05 नवंबर को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को उसके पिता का परिचित बताते हुए कहा कि उसके पिता ने खाते में 15,000 ट्रांसफर करने के लिए कहा है। इसके बाद आरोपी ने युवती को 10,000 और 5,000 ट्रांसफर होने के फर्जी संदेश भेजे। संदेश देख कर युवती भरोसे में आ गई। इसके बाद ठग ने दावा किया कि गलती से उसके खाते में 50,000 भेज दिए गए हैं, जिनमें से 45,000 वापस भेज दें। इसी झांसे में आकर युवती ने अपने बैंक ऑफ इंडिया खाते से आरोपी के बताए गए मोबाइल नंबर पर किस्तों में 150, 10,000, 5,000, 2,000 और 2,000 की राशि ट्रांसफर कर दी। जब युवती ने अपना बैंक बैलेंस चेक किया तो पता चला कि खाते में कोई राशि नहीं आई, बल्कि वह खुद ही धोखाधड़ी का शिकार हो चुकी है। उसके बाद जब युवती ने ठग से संपर्क करने का प्रयास किया तो आरोपी ने फोन स्विच ऑफ कर दिया। कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

डीआईओएस के निर्देश पर कमेटी ने शुरू की जांच

संवाददाता, उसहैत

- विद्यालय में छात्राओं की पानी पीने की बोतल में पेशाब करने के मामला
- दो छात्रों को किशोर न्यायालय भेजा, अभिभावकों पर हुई कार्रवाई

अमृत विचार : उसहैत क्षेत्र के चमेली देवी उच्चतर माध्यमिक में कुछ छात्रों ने छात्राओं के पीने के पानी की बोतल में पेशाब की थी। इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी छात्रों के अभिभावकों पर शांतिभंग की कार्रवाई की थी। जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय कमेटी ने बुधवार को विद्यालय पहुंचकर जांच शुरू की है। उन्होंने बच्चों के बयान दर्ज किए हैं।

बोतल में पेशाब करने का मामला सामने आने के बाद करणी सेना के जिलाध्यक्ष गांव गढ़िया हरदो पट्टी निवासी शिव सेवक गुप्ता और अन्य लोग पहुंचे और हंगामा किया था। जिलाध्यक्ष और विद्यालय के प्रबंधक की ओर से तहरीर दी गई थी। पुलिस ने अभिभावकों पर कार्रवाई की। जिसके बाद दो आरोपी छात्रों को किशोर न्यायालय भेजा गया। जहां से चेतावनी देकर छोड़ा गया था।

वहीं दूसरी ओर विभागीय कार्रवाई शुरू हुई है। जांच कमेटी में एक शिक्षक व दो शिक्षिकाओं ने करणी सेना के जिलाध्यक्ष और छात्राओं के बयान दर्ज किए। इसके अलावा विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं से बात करते वीडियो बनाकर बयान दर्ज किए। जिनकी रिपोर्ट के आधार पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

अयान एग्रो के निदेशक सहित 4 पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- खराब बीज बेचने के मामले में जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर की गई कार्रवाई

> जांच के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।
> -राजेश कुमार सिंह, शहर कोतवाल

अमृत विचार: किसानों को खराब बीज बेचने के मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। जिला कृषि अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अयान एग्रो जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद के प्रबंध निदेशक, क्षेत्रीय प्रबंधक व दो स्थानीय विक्रेताओं के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई उस शिकायत के बाद हुई है, जिसमें किसानों ने आरोप लगाया था कि कंपनी द्वारा सप्लाई किए गए धान की सोनल वैराइटी के बीज के कारण उनकी फसल प्रभावित हुई और उपज में कमी आई।

जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि थाना शारदानगर क्षेत्र के ग्राम पतरासी निवासी मोहम्मद आदिल, बड़ागांव निवासी शफीक, मोहम्मद अरशद और सैय्यद अली सहित कई किसानों ने शिकायत की थी कि वर्मा बीज भंडार और किसान सेवा केंद्र पतरासी से खरीदा गया सोनल प्रजाति का धान बीज मानकों के अनुरूप नहीं था। किसानों ने आरोप लगाया था कि फसल पकने के बाद आधी से अधिक बालियों में दाना नहीं पड़ा, जिससे उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ। शिकायत पर विभाग ने सहायक विकास अधिकारी नकहा को जांच सौंपी। जांच में पाया गया कि आरोप सही हैं और किसानों की फसल में बीज की गुणवत्ता खराब होने के कारण उपज में भारी गिरावट दर्ज हुई है। इसके बाद दोनों विक्रेताओं और कंपनी को नोटिस जारी किया गया। हालांकि कंपनी ने नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

जांच के बाद कृषि विभाग ने बीज विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिया और कंपनी के साथ विक्रेताओं को दोषी मानते हुए सदर कोतवाली में तहरीर भेजी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अयान एग्रो कंपनी के प्रबंध निदेशक, क्षेत्रीय प्रबंधक, एम एजेंसी महेवागंज के प्रोपराइटर उपेंद्र माथुर और वर्मा बीज भंडार पतरासी के स्वामी सर्वेश कुमार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 तथा बीज अधिनियम 1966 के तहत रिपोर्ट कर लिया है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

श्री राम कथा के आयोजन पर चर्चा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के फूल बाबा आश्रम पर श्री राम कथा आयोजन समिति की बैठक हुई, जिसमें 6 दिसंबर से प्रारंभ होने वाली नौ दिवसीय श्री राम कथा के आयोजन पर चर्चा की गई। श्री राम कथा मर्मज्ञ अंजनी शरण महाराज की मौजूदगी में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जन-जन के आदर्श हैं। समिति आनंद त्रिवेदी ने बताया कि गोकर्ण तीर्थ के निकट श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पर नौ दिवसीय श्री राम कथा का आरंभ 6 दिसंबर शनिवार से हो रहा है। 15 दिसंबर को हवन पूजन भंडारे के साथ कथा का विश्राम होगा। श्री राम कथा प्रतिदिन शाम तीन बजे से 6:30 तक होगी। राजेश्वर शुक्ला, सुरेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- छूटे हुए लाभार्थियों के 25 नवंबर से एक माह लगाए जाएंगे कैंप
- अब तक लगभग 11 लाख लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके

अमृत विचार : जिले में छूटे हुए लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए एक माह का विशेष अभियान शुरू किया गया है। जिले में अब तक लगभग 11 लाख लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में पात्र लोग योजना से वंचित हैं। अभियान की शुरुआत बुधवार से हो गई है।

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि अभियान 25 नवंबर से शुरू होकर एक माह तक चलेगा। इसके तहत ग्राम स्तर पर लगाए जा रहे कैंपों में पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। कैंप आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और सब-सेंटरों पर संचालित होंगे।

सीएचसी मितौली में आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्रवाई करती महिला स्वास्थ्य कर्मी।

अभियान को सफल बनाने के लिए बुधवार को सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में जूम मीटिंग हुई, जिसमें सीडीओ ने निर्देश दिए गए कि एएनएम और सीएचओ कार्ड बनाने का कार्य करेंगे। अभियान की शुरुआत बुधवार से हो गई है। सभी पीएचसी, सीएचसी और सब-सेंटरों पर सुविधा उपलब्ध रहेगी। सीएचसी अधीक्षक प्रतिदिन मॉनिटरिंग करेंगे।प्रतिदिन समीक्षा सीएमओ और साप्ताहिक समीक्षा सीडीओ स्वयं करेंगे। सीडीओ ने अधिकारियों को लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रह जाए।

आयुष्मान कार्ड के प्रमुख लाभ

- प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का नि :शुल्क कैशलेस इलाज।
- पंजीकृत सरकारी व निजी अस्पतालों में उपचार।
- गंभीर बीमारियों, सर्जरी, दवाओं और जांचों का खर्च शामिल।
- भर्ती से डिस्चार्ज तक सभी चिकित्सा सेवाएं कवर।

न्यूज ब्रीफ

सांड़ के हमले से महिला और युवती घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: मितौली कस्बे में सांड ने कस्बा निवासी परमजीत कौर (58) पर उस समय हमला कर दिया जब वह अस्पताल रोड स्थित अपने घर जा रहीं थीं। उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक से जा रही चुरईपुरवा निवासी रामकुमार की 19 वर्षीय पुत्र प्रतिमा पर भी सांड ने हमला कर दिया, इससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सांड के हमले से कस्बे के डॉ, विनोद भार्गव की स्कार्पियो और एक स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हुई है।

इमलिया फार्म पर दिखा तेंदुआ, दहशत फैली

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के इमलिया फार्म क्षेत्र में तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों और किसानों में दहशत व्याप्त हो गई है। सुबह लगभग 11 बजे कुछ मजदूर गेहूं के खेत की मेड़ बांध रहे थे। इसी बीच निकला तेंदुआ पास के गन्ने के खेत में चला गया। तेंदुआ देख कर मजदूरों के होश उड़ गए। सूचना पर तमाम आसपास काम कर रहे किसान भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पग मार्क देखे और तेंदुआ होने की पुष्टि की। वन अफसरों ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: उत्तराखंड के उधम सिंह नगर के काशीपुर गांव निवासी आरिफ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 24-25 नवंबर की रात 12 बजे वह अपना ट्रक लेकर नानपारा से हरियाणा जा रहा था। तभी नगर के मोहम्मदी रोड बाईपास पर एक कार चालक ने शराब के नशे में लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए ट्रक के सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई और कार चालक मौके पर से कहीं भाग गया।

प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री को अपशब्द कहने वाला गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के एक युवक का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपशब्द कह रहा है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी नशेड़ी बताया जा रहा है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है, जो नशेड़ी है। कार्रवाई की जा रही है।

संविधान दिवस पर याद किए गए डॉ. भीमराव आंबेडकर

संविधान की प्रस्तावना का कराया गया वाचन, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

जिला कांग्रेस कार्यालय में डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी।

संविधान की शपथ लेते सपा युवा फ्रंटलों के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

गोला में संविधान दिवस पर बोलते कॉलेज प्रबंधक रवि प्रकाश वर्मा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: संविधान दिवस पर जिले के स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में कई कार्यक्रम हुए। इस मौके पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी कराया गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर संविधान निर्माता को याद किया गया। पश्चात संगोष्ठी की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के महत्व पर विस्तार से बताया। इस दौरान प्रवक्ता रवि तिवारी, डॉ. रईस अहमद उस्मानी, कोमल सिंह, चंद्रप्रभा अवस्थी, जावेद अली एडवोकेट, आनंद श्रीवास्तव, अब्दुल रहीम अकील खान, शत्रोहन लाल वर्मा, गुलफाम आदि ने अपने विचार रखे।

सपा के युवा फ्रंटलों ने की विचार गोष्ठी, ली संविधान की शपथ

लखीमपुर खीरी। संविधान दिवस पर समाजवादी पार्टी के युवा फ्रंटलों द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में संविधान की मूल भावना और उसके संरक्षण पर गहन चर्चा हुई। गोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रमेश दीक्षित ने कहा कि भारत का संविधान स्वतंत्रता आंदोलन के शताब्दियों लंबे संघर्षों से उपजे मूल्यों का महान दस्तावेज है। यह देश के कमजोर, दलित, वंचित और पीड़ित वर्गों के अधिकारों की सबसे मजबूत गारंटी है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद जिले भर से आए युवाओं और पदाधिकारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने की शपथ ली। मुख्य अतिथि खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा ने कहा कि संविधान के सामने जो भी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उन्हें गांव-गांव चौपालों में ले जाकर जनता तक पहुंचाना जरूरी है। पूर्व एमएलसी शशांक यादव एडवोकेट ने युवाओं से संविधान द्वारा निर्धारित दिशा-सामाजिक न्याय, सद्भाव, समानता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जीवन में उतारने की अपील की। प्रोफेसर रमेश दीक्षित ने संविधान के प्रावधानों का तार्किक विश्लेषण किया। कहा कि संविधान कितना भी सक्षम हो, यदि सत्ता की नीयत संविधान सम्मत न हो तो लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होने लगती हैं। गोष्ठी को विशिष्ट अतिथि इमरान खां, हेमंत भार्गव, अमित वर्मा, प्रख्याति खरे, इसरार अहमद, उमेश गिरि, राघवेन्द्र गौतम, अजय सिंह, आरपी चौधरी ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने की। कार्यक्रम का संयोजन हेमन्त भार्गव ने किया।

संविधान लोकतंत्र की आत्मा, अधिकारों के साथ कर्तव्य निर्वहन की देता है प्रेरणा

गोला गोकर्णनाथ। कृषक समाज इंटर कॉलेज में संविधान दिवस मनाते हुए प्रबंधक ने विद्यार्थियों को बताया कि संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। यह अधिकारों के साथ कर्तव्य निर्वहन की प्रेरणा देता है। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। कॉलेज प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में संविधान दिवस हर्षोल्लाह से मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रबंधक पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कॉलेज प्रधानाचार्य लेफ़्टिनेंट एपी सरोज द्वारा बच्चों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। शिक्षक आशीष कुमार पांडे, महमूद अंसारी, लखपत भारती, डॉ. अनिल कुमार आदि मौजूद रहे। संचालन हिंदी प्रवक्ता ओमप्रकाश यादव ने किया।

नशा उन्मूलन विषयक कई प्रतियोगिताएं आयोजित

लखीमपुर खीरी। आरएम ज्ञान दायिनी इंटर कॉलेज राजाजीपुरम, राजापुर में नशा उन्मूलन विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्र-छात्राओं ने बहुत ही उत्कृष्ट पोस्टर बनाए और निबंध लेखन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रबंधक राकेश वर्मा एडवोकेट, प्राचार्य सचिन शुक्ला ने संविधान दिवस के महत्व एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में बताया। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध एवं पोस्टर के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों और जागरूकता संदेशों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। विद्यालय प्रबंधन ने विजेता प्रतिभागियों को समारोह में सम्मानित किया।

निष्ठा, ईमानदारी और स्वदेशी अपनाकर देश को बनाएं आत्मनिर्भर

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: संविधान अंगीकार दिवस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऑफिस सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अपने कार्य को निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूरा करे, यही राष्ट्र के प्रति सच्चा योगदान होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी स्वास्थ्य कर्मियों ने देखा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य भी प्रदान करता है, जिन्हें पूर्ण निष्ठा से निभाया जाना आवश्यक है। समाज सेवा के साथ स्वास्थ्य सेवा एक सच्ची राष्ट्र सेवा का प्रतीक है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के संदर्भ में उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर विशेष बल दिया और कहा कि आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। इस दौरान एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा, एसीएमओ डॉ. आरएम गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण में मानकों की अनदेखी, ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता, मझगई

घटिया निर्माण सामग्री लगाने को लेकर विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

- केवल मिट्टी और अन्य घटिया सामग्री डालकर निर्माण कराने का लगाया आरोप

> कार्य अभी प्रारंभिक चरण में है, पूरा होने पर जांच कराई जाएगी।
> -ज्ञानेश शर्मा, जेई मंडी समिति

अमृत विचार: क्षेत्र में कई वर्षों से बदहाल पड़ी सिसवारा-छेदुई डामर सड़क की मरम्मत आखिरकार शुरू हुई, लेकिन निर्माण कार्य में जमकर मानकों की अनदेखी किए जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में हो रही गड़बड़ियों के विरोध में प्रदर्शन किया और जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

सिसवारा-छेदुई पतिया सड़क गांव सिसवारा गदियाना से छेदुई गांव तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी है, जिसे मंडी समिति से सुधारा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण में बजरी और डस्ट की जगह मिट्टी और घटिया मौरंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पुरानी सड़क को सही तरीके से उखाड़कर मानक के अनुसार बेस लेयर तैयार करने के बजाय केवल मिट्टी और घटिया सामग्री डालकर सड़क निर्माण किया जा रहा है।

ग्रामीण मनोज कुमार ने बताया कि सड़क वर्षों से बदहाल थी। अब जब काम शुरू हुआ है तो मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के कारण यह सड़क पहली बारिश में बह जाएगी। शिवकुमार और प्रेमसागर ने बताया कि सड़क से रोजाना बच्चों, स्कूल वैन तथा किसानों का आवागमन होता है। घटिया निर्माण से सड़क लंबे समय तक नहीं टिक पाएगी।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में सुधार नहीं हुआ तो वह डीएम से मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में मुकेश कुमार, अमित कुमार, रामासरे, रोहित, दिलशाद, नवीन, निरंजन, रमजान अली आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

स्टंटबाजी कर युवा नदी में लगा रहे छलांग

संवाददाता, सिंगाही

- अवैध पुल बना खतरा: वीडियो वायरल, सवालों के घेरे में प्रशासनग्राम प्रधान ने अस्थाई पुल निर्माण पर उठाए सवाल

अमृत विचार: थाना क्षेत्र की मांझा और भेड़ौरा गांव के बीच जौराहा नदी पर बालू खनन कर्ताओं द्वारा बनाया गया अवैध अस्थायी पुल अब लोगों की जान का खतरा बन गया है। पुल से युवा नदी में स्टंट कर छलांग लगा रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मांझा और भेड़ौरा के बीच जौरहा नदी में खनन का पट्टा होने के बाद खनन ठेकेदारों ने मूल रास्ते पर वाहनों को निकालने की बजाय जौरहा नदी पर एक अस्थायी पुल का निर्माण कराया है। इसमें कई होम पाइप भी डाले गए हैं। बिना अनुमति बनाए गए इस अवैध पुल ने अब आसपास के गांवों के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इस पुल का इस्तेमाल अब खनन वाहनों के साथ-साथ युवा रील बनाने के लिए खतरनाक स्टंट करने लगे हैं। पुल से लगभग 20 फीट गहरे पानी में छलांग लगाते युवाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खनन ठेकेदारों ने बिना किसी अनुमति के नदी पर पाइप और मिट्टी डालकर यह अस्थायी पुल तैयार किया है। पुल बनने के बाद क्षेत्र में नदी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे कटान बढ़ गया है और खेतों को नुकसान पहुंच रहा है। मांझा गांव के पूर्व प्रधान परमजीत सिंह पम्मी ने इस अवैध निर्माण पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

एसडीएम ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

खनन अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि जांच कर अवैध पुल को हटाने की कार्रवाई करें। **-राजीव निगम**, एसडीएम निघासन

उन्होंने कहा कि हमारा इलाका पहले ही बाढ़ और कटान से प्रभावित है। अब इस अवैध पुल के कारण नदी का बहाव बदल गया है और कटान तेज हो गया है।

उन्होंने बताया कि इस पुल से बालू से भरे भारी वाहन गुजरेंगे, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों और ग्रामीणों की जानमाल पर खतरा मंडराने लगा है। उन्होंने मांग की है कि इसकी जांच कर पुल को तुरंत हटाया जाए।

गोसेवा आयोग के सदस्य ने संविधान पालन की दिलाई शपथ

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर पालिका परिषद सभागार में गोष्ठी में मुख्य अतिथि गो सेवा आयोग के सदस्य राजेश सिंह सेंगर ने संविधान के पालन की शपथ दिलाई।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू की मौजूदगी में विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोला दिनेन्द्र, समाजसेवी आलोक सिन्हा ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर गोष्ठी का आरंभ किया। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिए हैं जो सभी के लिए समान है। अधिकारों के साथ कर्तव्य भी हैं जिनका पालन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अतिथियों ने श्रीधर्मादा समिति गोशाला में गाय को गुड़ खिलाकर आशीर्वाद लिया। सभासद धर्मेन्द्र तिवारी टीटू, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, लेखाकार मोहित अवस्थी, जेई अनिल कुमार यादव, आदर्श मिश्रा आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका में संविधान पालन की शपथ दिलाते मुख्य अतिथि एवं पालिका अध्यक्ष।

पराली को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

तहसील परिसर में प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, निघासन

- सरकार के खिलाफ की नारेबाजी एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: बुधवार को किसानों ने एकजुट होकर पराली के अवशेष जलाने के नियम का पुरजोर विरोध किया। भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश अवध प्रांत के बैनर तले क्षेत्रीय किसानों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर एसडीएम राजीव निगम को ज्ञापन सौंपा।

भारतीय किसान संघ अवध प्रांत के जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर मौर्य ने बताया कि सरकार किसानों को स्वावलंबी बनाने की बात कह रही है, लेकिन फसल के अवशेष जलाने पर इतना बड़ा प्रतिबंध रास नहीं आ रहा है। ज्ञापन में बताया कि सरकार को पराली का भी मूल्य निर्धारित करना चाहिए, जिससे अवशेष खेत में न जलाएं। यह भी बताया कि अगर पराली की समुचित व्यवस्था सरकार न कर सके तब तक पराली जलाने से न रोका जाए न ही किसानों पर आर्थिक दंड निर्धारित हो और न कार्रवाई की जाए। पराली प्रबंधन हेतु कोर्ट की मंशा के अनुरूप राज्य सरकारों को किसानों के लिए मलवर, सुपर सीडर, एबी प्लाउ आदि मशीन निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएं ताकि किसान पराली के अवशेष खेतों में ही नष्ट कर सकें।

सिकंदराबाद लूटकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

बेहजम, अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र के सिकंदराबाद में मेडिकल व्यवसायी से गन प्वाइंट पर हुई लाखों की लूट के मामले में पुलिस खुलासे के नजदीक पहुंच गई है। घटना के खुलासे में लगी क्राइम ब्रांच और नीमगांव पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फरधान थाना क्षेत्र के दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि पुलिस इस लूटकांड के मास्टरमाइंड सहित तीन की तलाश तेज कर दी है। माना जा रहा है कि पुलिस भागे आरोपियों की गिरफ्तारी के बेहद करीब बताई जा रही है। 15 नवंबर की रात बदमाशों ने सिकंद्राबाद निवासी विकास वर्मा की मेडिकल एजेंसी पर शाम करीब 08:30 बजे धावा बोला था। असलहों के बल पर बंधक बनाकर दुकान से 1.27 लाख रुपये की नगदी लूट ली थी। इसके बाद उनके दूसरी मंजिल पर स्थित घर में भी परिवार वालों को गन प्वाइंट पर लेकर करीब सात लाख रुपये के जेवर लूटकर भाग निकले थे। लुटेरे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए थे। वही इस लूटकांड के खुलासे में लगी क्राइम ब्रांच व नीमगांव पुलिस पुलिस लगातार सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और स्थानीय नेटवर्क के आधार पर संदिग्धों को चिह्नित कर रही थी। टीमों ने फरधान थाना क्षेत्र के गौरिया गांव के छोटा तालिब व कोढ़ैय्या लीला कुआं के युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि पुलिस ने इस लूट में शामिल पांचों आरोपियों की पहचान कर ली है और जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस लूटकांड का मास्टरमाइंड भी इसी क्षेत्र का रहने वाला है।

वाहन की टक्कर से गोवंश की मौत

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: बीती रात मिल रोड पर विकास चौराहा पर वाहन की टक्कर से गोवंश की तड़प तड़प कर मौत हो गई। सुबह टहलने निकले राहगीरों ने मृत गोवंश को देखकर सूचना भारतीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता को दी, जिन्होंने नगर पालिका की टीम को बुलाकर गोवंश का अंतिम संस्कार कराया।

जिलाध्यक्ष श्री गुप्ता ने प्रशासन की लापरवाही पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले ही उप जिलाधिकारी गोला को ज्ञापन देकर सड़कों पर घूम रहे छुट्टा गोवंश को सुरक्षित गौशालाओं में भेजने की मांग की थी, लेकिन आज तक इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। कहा कि जब गोवंश गौशालाओं की जगह सड़कों पर घूमेंगे, तो ऐसे हादसे होना स्वाभाविक है। उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रशासन ने जल्द ही जिम्मेदारी नं निभाई, तो भारतीय बजरंग दल एक बड़ा आंदोलन करेगा।

अनदेखी ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शन किया था, अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत के चलते कोई असर नहीं

पुलिया के पास बने बड़े गड्ढे, हो रहे हादसे

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- डेढ़ साल पहले प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत हुआ था चौड़ीकरण
- भैरमपुर के पास गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे राहगीर और दोपहिया वाहन सवार

अमृत विचार: प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत करीब डेढ़ साल पहले बने बेलरायां-मांझा मार्ग की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव भैरमपुर से करीब 100 मीटर पहले स्थित पुलिया के पास सड़क पर कई बड़े गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों में गिरकर स्कूली बच्चों के साथ ही दोपहिया वाहन चालकर आए दिन हादसे का शिकार हो रहे हैं. लेकिन विभाग ने इन गड्ढों को दुरुस्त कराने के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

बेलरायां-माझा मार्ग का करीब डेढ़ साल पहले प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत चौड़ीकरण हुआ था। सड़क निर्माण के दौरान ही इसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए थे। ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शन भी किया था, लेकिन जिम्मेदार कार्यदायी संस्था के अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत के कारण कोई असर नहीं हुआ। सड़क बनने के कुछ ही दिन बाद से उखड़ने भी लगी थी। करीब छह महीने पहले तकिया पुरवा और भैरमपुर के बीच स्थित पहली पुलिया के पास विशाल गड्ढा हो गया था। इसमें गिरकर कई लोग चोटिल हुए थे।

सोशल मीडिया पर खबरें प्रसारित होने के बाद विभाग ने आनन-फानन में गड्ढे की मरम्मत कराई थी. लेकिन सड़क की खराब गुणवत्ता के कारण कई महीने से गांव भैरमपुर से 100 मीटर पहले पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह के खेत के पास बनी पुलिया के दोनों ओर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। सड़क के इस जर्जर हिस्से से होकर प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, लेकिन गड्ढों ने इसे हादसों का गढ़ बना दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि इन गड्ढों में अब तक कई ऑटो, बाइक और साइकिल सवार स्कूली बच्चे गिर चुके हैं। गांव के नजदीक होने के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह रास्ता और भी खतरनाक हो गया है। दुर्घटनाओं में कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं, मगर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सड़क से आए दिन सरकारी गाड़ियां गुजरती हैं, लेकिन टूटे हुए हिस्से और खतरे की स्थिति पर किसी ने ध्यान तक नहीं दिया। इतना ही नहीं, तकिया पुरवा से लेकर भैरमपुर के बीच कई स्थानों पर जलभराव की समस्या भी बनी रहती है, जिससे सड़क और अधिक खराब हो रही है तथा लोग कीचड़ और गंदगी में आने-जाने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ तो बड़ा हादसा किसी भी समय हो सकता है।

मांझा-बेलरायां मार्ग पर भैरमपुर के पास बना सड़क पर विशाल गड्ढा।

सड़क पर बना विशाल गड्ढा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन् 2007 अनुक्रमांक 3099199 का प्रमाण पत्र व अंकपत्र एवं इन्टरमीडिएट मुख्य सन् 2010 अनुक्रमांक 0387288 का प्रमाण पत्र व अंक प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **आकाश सक्सेना पुत्र श्री अरूण कुमार सक्सेना नि. 358, भूड़, बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका सीरियल नं. 1598150 व रोल नम्बर 3222174 है। एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा सन् 2011 में उत्तीर्ण की थी जिसका सीरियल नं. 0776452 व रोल नम्बर-0614496 है। उक्त दोनों मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **हेमा राना पत्नी श्री विनीत कुमार निवासी ग्राम व पो. बसहा माफी जिला लखीमपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पूर्व सैनिक हूं मेरा आर्मी नं. 15360648L नायक जाकिर हुसैन है। मेरी पुत्री आबदा खातून (AABDA KHATOON) का नाम मेरी डिस्चार्ज बुक में त्रुटिवश अबिदा खातून (ABIDHA KHATUN) दर्ज हो गया था। मेरे आर्मी रिकॉर्ड एंव डिस्चार्ज बुक में मेरी पुत्री का सही नाम आबदा खातून (AABDA KHATOON) संशोधित किया जाये। **जाकिर हुसैन पुत्र श्री रमजान अली निवासी मो. कुमारनगर सुआगाड़ा रोड, लखीमपुर जनपद-लखीमपुर खीरी**

सूचना

मैंने अपने पुत्र अकरम के गलत संगत में पड़ जाने के कारण उससे हर तरह से सम्बन्ध विच्छेद करते हुए उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **लईक पुत्र खलील ग्राम रिछोला किफायतुल्ला नवाबगंज बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरी जन्मतिथि त्रुटिवश 30.06.2008 दर्ज हो गयी हैं जो कि गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड नं. 479392987650 एवं अन्य अभिलेखों में मेरा जन्मतिथि 27.11.2004 है। जो कि सही है। **मो. आमिर पुत्र जमशेद अली निवासी:- ग्रा. बनेई तह. जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरा हाई स्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक 1108074 व इंटरमीडिएट वर्ष 2015 अनुक्रमांक 0798288 एवं स्नातक वर्ष 2022 अनुक्रमांक 0403045 के अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गए हैं। **पुरुषोत्तम शर्मा पुत्र राम मूर्ति शर्मा बरखेड़ा कला पीलीभीत**

वैधानिक सूचना:- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

हिंदुओं को संगठित करने को चलाया अभियान

संवाददाता, बीसलपुर

कार्यक्रम में मौजूद विहिप कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए बुधवार को जागरूकता अभियान शुरू किया। जानकी रतन मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। हिंदू संस्कृति के प्रति भाव जागृत करने और धर्म रक्षा के लिए समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री ललित अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गंगवार, बजरंग दल संयोजक प्रांकुर गर्ग, बीसलपुर अध्यक्ष मयंक अग्रवाल, अनमोल रस्तोगी, केशव किशोर, टिंकू वाल्मीकि, कुणाल श्रीवास्तव, प्राजंल मिश्रा, नीतू गुप्ता, अमित अग्रवाल , उर्वेश गुप्ता , हरकृष्ण गुप्ता, दिनेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

रोटावेटर में फंसकर युवक की मौत, ट्रैक्टर चालक फरार

गेहूं की बुवाई को खेत तैयार करा रहा था युवक, मशीन में फंसे शव को बमुश्किल निकाला

संवाददाता, बेहजम

बदहवाश मां को संभालती महिलाएं। ● अमृत विचार

बिलख रहे मृतक के पिता को ढांढस बंधाती परिवार की महिलाएं।

अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव बौनिया में खेत की जुताई के दौरान खेत स्वामी की रोटावेटर की चपेट में आ गया, जिससे उसमें फंस कर उसकी कटकर मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गांव बौनिया निवासी प्रांशु वर्मा (26) गेहूं की बुवाई के लिए खेत तैयार कराने ट्रैक्टर लेकर खेत पर गए थे। बताते हैं कि जुताई के दौरान प्रांशु का अचानक पैर फिसल गया और वह चलती मशीन में जा गिरे। रोटावेटर के तेज ब्लेड की चपेट में आने से उसकी कटकर मौके पर ही मौत हो गई। उनके सिर, गर्दन और शरीर के कई हिस्सों पर गहरे घाव मिले। हादसा होते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद शव को मशीन से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग तमाम ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद चालक मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रांशु वर्मा अपने पीछे पत्नी सुधा वर्मा और तीन वर्षीय बेटे अभ्यांश को छोड़ गए हैं। मां सुमन वर्मा लगातार रोते हुए यही कहती रही मेरे साथ धोखा हुआ है मेरा बेटा वापस आ जाए।

परिजनों में बड़ी बहन अनुपम, छोटी शिल्पी, भाई दीपक और सबसे छोटी बहन प्रियंका भी बदहवास हालत में है। थाना अध्यक्ष आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीड़ित परिवार की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

आज मेरे बुढ़ापे की लाठी टूट गई

पिता विनोद वर्मा का रो-रोकर हाल बेहाल है। बिलखते हुए वह बार बार यही कह रहे थे कि आज मेरे बुढ़ापे की लाठी टूट गई खेती के लिए गेहूं घर पहुंचाया, बस बुवाई करने गया था, पर वापस नहीं आया।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, बदायूं

पत्रांक सं:- सी-2576/जि.का.अधि./बा.वि.परि./विज्ञप्ति/2025-26 दिनांक: 24.11.2025

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या- 1/1092245/2025/3313/58-1-2025 (1917687) दिनांक 17.09.2025 में वर्णित व्यवस्थानुसार जनपद बदायूं के शहरी/ग्रामीण परिक्षेत्रों में संचालित बाल विकास परियोजना में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के मानदेय पर आधारित रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सीधी भर्ती प्रक्रिया के तहत विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.in पर ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। रिक्त पदों का वार्डवार / परियोजनावार विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	परियोजना का नाम	ग्रामीण/शहरी	आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पदों का विवरण
1.	2.	3.	4.
1	सहसवान	ग्रामीण	3
2	आसफपुर	ग्रामीण	4
3	कादरचौक	ग्रामीण	1
4	वजीरगंज	ग्रामीण	10
5	दहगवां	ग्रामीण	3
6	अम्बियापुर	ग्रामीण	0
7	सालारपुर	ग्रामीण	7
8	जगत	ग्रामीण	3
9	शहर	ग्रामीण	0
10	बिसौली	ग्रामीण	3
11	दातागंज	ग्रामीण	3
12	इस्लामनगर	ग्रामीण	5
13	उझानी	ग्रामीण	2
14	म्याऊँ	ग्रामीण	12
15	समरेर	ग्रामीण	3
16	उसावां	ग्रामीण	6
		कुल योग	65

उपरोक्त पदों का ग्रामसभा/वार्डवार विवरण एवं आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति हेतु निर्धारित है। ई.डब्लू.एस., दिव्यांग, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आदि हेतु आरक्षण निर्धारित नहीं है। उक्त पूर्ण विवरण जनपद के कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील एवं विकास खण्ड इत्यादि कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है साथ ही विभागीय वेबसाइट पर https://upanganwadibharti.in अपलोड है।

विज्ञप्ति पदों की अर्हता एवं आवेदन पत्र भरने हेतु विशेष निर्देश:-

1. विज्ञापित पदों हेतु केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होंगी।
2. रिक्त पदों (आंगनबाड़ी सहायिका) हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट एवं उसके समकक्ष होगी। अधिकतम शैक्षिक योग्यता परास्नातक के आधार पर मैरिट तैयार होगी।
3. विज्ञापित पदों हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। ऑफलाइन आवेदन किसी भी दशा में स्वीकार नहीं होंगे।
4. विज्ञापित पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15.12.2025 मध्य रात्रि 12:00 बजे तक होगी।
5. आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदिका की नयूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 35 वर्ष होगी। दिनांक 01.07.2025 को 18 वर्ष आयु होनी चाहिए। आयु के सम्बन्ध में हाईस्कूल अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी।
6. उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की विधवा महिला / विधिक तलाकशुदा / परित्यक्त महिला को वरीयता दी जायेगी।
7. विधवा हेतु ग्राम पंचायत अधिकारी / सम्बन्धित नगर निकाय द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र एवं परिवार पंजिका की प्रमाणित नकल मान्य होगी। तलाकशुदा/परित्यक्ता के सम्बन्ध में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्गत विधिक आदेश मान्य होंगे।
8. गरीबी रेखा के नीचे की विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिलाएं न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से ऊपर की विधवा महिला/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाएं
9. उपरोक्तानुसार अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा के जीवन यापन करने वाले परिवार की महिलाएं।
10. निवास एवं जाति प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निर्गत निवास व जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे। जिनका ऑनलाइन सत्यापन सम्भव हो।
11. आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.inपर उपलब्ध फॉर्मेट पर ऑनलाइन व सही सही सावधानी पूर्व भरे जायेंगे। आवेदिका द्वारा अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति, जो स्वच्छ व पठनीय हो, अपलोड की जायेगी, जिनका उल्लेख उनके द्वारा ऑनलाइन फॉर्म में किया गया है।
12. यदि आवेदन में कोई त्रुटि होती है तो या कोई तथ्य आंकड़े / शैक्षिक अभिलेखों के प्राप्तांक / पूर्णांक गलत या कूटरचित पाये जायेंगे, तो अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा, स्वयं उत्तरदायी होंगी। त्रुटि सुधार हेतु ऑफलाइन आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
13. आय प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में समाज कल्याण अनुभाग-2 उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या- 22/2015/2123/26-2-2015 दिनांक 14.09.2015 (यथा संशोधित) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रू- 46080.00 वार्षिक एवं शहरी क्षेत्र में रू. 56460.00 वार्षिक आय सीमा का अनुपालन किया जायेगा। तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निगर्त आय प्रमाण पत्र का ऑनलाइन सत्यापन किया जा सके।
14. एक आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक परिवार की 02 महिलाओं की नियुक्ति आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिका पद पर नहीं की जायेगी।
15. रिक्त पदों का विस्तृत विवरण जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी/ खण्ड विकास अधिकारी / बाल विकास परियोजना के नोटिस बोर्ड पर एवं विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.inपर देखा जा सकता है।
16. अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय पत्र संख्या- सी-2484 दिनांक 11.11.2025 को जारी विज्ञप्ति को उपर्युक्त सीमा तक संशोधित माना जाए।

नोट:- रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
बदायूं

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: यॉं/301/इज्जतनगर/ओटी-26

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-1, कार्य का संक्षिप्त विवरण: यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 02 वर्ष हेतु वैगन के सीबीसी, बोगी इत्यादि की मरम्मत से सम्बन्धित कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार), अनुमानित मूल्य (रू.में): ₹ 1,95,18,129.40 (रूपये एक करोड़ पिच्यानवे लाख अठ्ठारह हजार एक सौ उनतीस एवं चालीस पैसे मात्र), बिड सिक्योरिटी (रू.में): ₹ 2,47,600/-(दो लाख सैतालिस हजार छः सौ रूपये मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.): शून्य, कार्य अवधि: 02 वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समय: दिनांक 16-12-2025 को 15:30 बजे।

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 25-11-2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर टेण्डर खुलने की तिथि 16-12-2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **(2)** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्ति किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **(4)** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उप मुयांइ/प्लान्ट, यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर

मुजाधि/यॉंत्रिक-96

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

एसआईआर को लेकर दिलाई शपथ

पीलीभीत> प्रभारी बीएसए दरवेश कुमार ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को एसआईआर कार्य में पूर्ण सहयोग के लिए निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में खंड शिक्षाधिकारी मरौरी सुनील कुमार ने प्रधानाध्यापक और अध्यापकों को निर्देशित किया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय संतोषपुरा में अभिभावकों और ग्रामीणों के साथ बैठक की गई।

सर्दी में स्वेटर, जूते-मोजे पहनकर आएं बच्चे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

निरीक्षण करने पहुंचे प्रभारी बीएसए दरवेश कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रभारी बीएसए दरवेश कुमार ने बुधवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय लालौरीखेड़ा में छापा मारा। निरीक्षण के दौरान बालिकाओं से शैक्षिक व्यवस्था परखने के उद्देश्य समेत कई विषयों के बारे में बात की।

प्रभारी बीएसए ने वार्डन को निर्देश दिए कि प्रतिदिन जो भी लिखित कार्य बालिकाओं को दिया जाता है। उसका रिवीजन जरूर कराया जाए। बालिकाओं को पिछले चैप्टर का कितना ज्ञान हुआ है इसकी जानकारी जरूर की जाए। भौगोलिक और सामाजिक जानकारी से भी बालिकाओं को रूबरू कराया जाए। प्राइमरी स्कूल जतीपुर के मतदान केंद्र का निरीक्षण करने पर बीएलओ से अब तक कितने गणना प्रपत्र जमा किए उनकी फीडिंग की भी स्थिति जानी। शिक्षक, शिक्षिकाओं को बीएलओ का जहां कहीं भी दिक्कत हो या तो सहयोग के निर्देश दिए। जतीपुर के स्कूल में भी प्रभारी बीएसए ने बारीकी से निरीक्षण कर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी का भी जायजा लिया। प्रधानाध्यापक को छात्रों की उपस्थिति बेहतर करने के निर्देश दिए। नियमित मिड डे मील मीनू के अनुसार स्कूली बच्चों को उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश प्रधानाध्यापक को दिए। ये भी निर्देश दिए कि सर्दियां शुरू हो गई हैं स्कूली बच्चे स्वेटर, जूते, मोजे पहन कर ही विद्यालय आए। इसके लिए उनके अभिभावकों से बात करने के लिए कहा गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत नौंद अलगनी वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक: 38/लेखा/निविदा/वर्ष 2025-26 दिनांक: 24.11.2025

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नौंद अलगनी वि.खं. भुता बरेली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम नौंद अलगनी में सी.सी. निर्माण कार्य श्री दिनेश के मकान से रामआसरे के मकान तक जिसकी अनुमान लागत 3.24 लाख है। सामग्री सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, प्रथम ईट रोड़ा आदि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण की जाती है। समस्त निविदाएं दिनांक 01.12.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत में दोपहर 12 बजे तक जमा कर सकते हैं। जिन्हें उसी दिन 4 बजे खोला जायेगा। जिस फार्म का टेन्डर सबसे कम दर का होगा। ग्राम पंचायत द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा।

विजय सिंह
सचिव

ताराचन्द
ग्राम प्रधान

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11449/142सी0(ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 20.11.2025

ऑन-लाइन अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार स्वीकृति की प्रत्याशा में ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद शाहजहॉपुर में रामगंगा नदी पर स्थित वजीरपुर घाट पर पान्टून पुल का निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0 शाहजहॉपुर	81.00	6.05	2725.00	08 माह	ए एवं बी (सेतु कार्य हेतु)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 241447 **दिनांक:** 25/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0
शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0
बरेली

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहाँपुर

पत्रांक: समग्र शिक्षा/एम.आई.एस./12200-207/2025-26 दिनांक: 26.11.2025

यू-डायस+ से सम्बन्धित प्रेस विज्ञप्ति

जनपद शाहजहाँपुर में संचालित कक्षा 01 से कक्षा 12 तक के समस्त सरकारी / सहायता प्राप्त / मान्यता प्राप्त विद्यालयों (सी.बी.एस.सी., आई.सी.एस.सी., बेसिक शिक्षा, माध्यमिक बोर्ड, अल्पसंख्यक विभाग से संचालित मदरसा एवं अन्य) के द्वारा यू-डायस + 2025-26 ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यालय प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल एवं स्टूडेण्ट प्रोफाइल भरना अनिवार्य है, परन्तु कतिपय विद्यालयों (कक्षा 01 से 12) द्वारा अभी तक अपने विद्यालय का यू-डायस + 2025-26 में विद्यालय प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल एवं स्टूडेण्ट प्रोफाइल ऑनलाइन पूर्ण नहीं किया गया है। उपरोक्त श्रेणी के समस्त विद्यालयों से अनुरोध है कि यू-डायस+2025-26 पोर्टल https://udiseplus.gov.in पर नामांकित छात्र-छात्रा का GP, EP, FP एवं आधार आई.डी. जनरेट करने तथा ड्राप बॉक्स में एकत्रित छात्र-छात्राओं को सम्बन्धित विद्यालयों में इम्पोर्ट कराये जाने का कार्य दिनांक 30 नवम्बर 2025 तक पूर्ण कराते हुए डाटा सर्टीफाइड किया जाना है, क्योंकि दिनांक 30 नवम्बर, 2025 को भारत सरकार के द्वारा पोर्टल को बन्द कर दिया जायेगा तथा इसके उपरान्त पोर्टल पर कोई भी डाटा इण्ट्री सम्भव नहीं होगी। विद्यालय द्वारा स्वयं अपने यूजर आई.डी. से लॉगिन करके अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का विवरण पोर्टल पर फीड किया जाना है। इसके उपरान्त भी यदि कोई भी छात्र-छात्रा यू-डायस+पोर्टल पर फीडिंग से वंचित रह जाता है, इसका समस्त उत्तरदायित्व विद्यालय का होगा। कतिपय विद्यालयों द्वारा यू-डायस+पोर्टल पर नामांकित छात्र-छात्राओं का GP, EP, FP अपार आई.डी. जनरेट तथा ड्रापबॉक्स में एकत्रित छात्र-छात्राओं को सम्बन्धित विद्यालयों में इम्पोर्ट का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। यू-डायस+में उपरोक्त डाटा अपलोड न करने के उपरान्त भी सम्बन्धित विद्यालय के भौतिक रूप से संचालित पाये जाने पर सम्बन्धित विद्यालय के विरूद्ध शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत निर्धारित आर्थिक दण्ड लगाते हुये अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य/प्रबन्धक व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

दिव्या गुप्ता
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
शाहजहाँपुर

व्यापारियों ने रखी समस्याएं डीएम ने दिया आश्वासन

पीलीभीत, अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को गांधी सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति/निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा और व्यापार बन्धु समिति बैठक संपन्न हुई। जिसमें मैसर्स एवीमौरी/यूपीसीडा औद्योगिक आस्थान भरा पचपेड़ा के निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी ली गई।उपायुक्त उद्योग ने बताया कि भरा पचपेडा में कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। डीएम ने एक सप्ताह में गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के निर्देश दिए। उद्यमी अश्वनी अग्रवाल ने बताया असम चौराहे के पास चार-पांच राइस मिलें हैं। जिनके आस पास पानी का भराव रहता है, इससे दिक्कत हो रही है। इस पर बताया गया कि अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी ने निरीक्षण कर लिया गया है शीघ्र समाधान होगा। मुख्यमंत्री प्रशिक्षु प्रोत्साहन रोजगार योजना की समीक्षा की गई। जिसमें बताया गया कि इस वर्ष अप्रेन्टिस का 300 लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष अभी तक 156 प्रशिक्षुओं को अप्रेंटिसशिप के लिए विभिन्न कम्पनियों/उद्योग रखा जा चुका है। व्यापारी बन्धु अर्जुन सिंह टहलानी ने जमुनी चौराहा के किनारे गड्ढे की समस्या बताई। जिसका निस्तारण कराने का आश्वासन दिया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 55/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 कार्य का विवरण:** मेण्डू डिपो में ट्रैक वैलास्ट के लिए निजी खदान से अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. स्पेसीफिकेशन आई.आर.एस.-जी.ई.-1 (फरवरी-2023) के अनुसार मशीन से तोड़ी गई पत्थर गिट्टी की रेलवे वैगनों में आपूर्ति एवं लदाई। **अनुमानित लागत रूपयों में** : 10,79,36,000.00/- **बयाना राशि रुपयों में (रु0)** : 6,89,700/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 10 (माह) 1. ई-निविदा दिनांक 16.12.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू-348 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना संख्या : 217/2025

रेल यात्री बंधुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या - 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक निम्नानुसार विस्तार किया जा रहा है-

15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक विस्तार का नियमित संचलन

15009 गोरखपुर-इज्जतनगर दिनांक 27.11.2025 से		स्टेशन	15010 इज्जतनगर-गोरखपुर दिनांक 28.11.2025 से	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22.15	गोरखपुर	07.00	--
05.06	05.08	बाराबंकी	23.51	23.53
05.44	05.47	गोमती नगर	23.11	23.14
05.55	05.58	बादशाहनगर	22.58	23.01
06.10	06.45	डालीगंज	21.55	22.30
06.53	06.55	मोहिबुल्लापुर	20.55	20.57
07.25	07.27	सिधौली	20.22	20.24
07.56	08.01	सीतापुर जं.	19.47	19.52
08.22	08.24	हरगांव	19.20	19.22
08.45	08.50	लखीमपुर	18.58	19.03
09.15	09.17	गोला गोकरननाथ	18.28	18.30
09.55	10.00	मैलानी	18.00	18.05
10.28	10.31	पूरनपुर	17.07	17.10
11.40	11.45	पीलीभीत	16.05	16.10
12.15	12.17	भोजीपुरा	15.25	15.27
12.45	--	इज्जतनगर	--	15.10

नोट : 1. इज्जतनगर तक विस्तार होने के पश्चात गाड़ी सं. 15009/15010 डालीगंज से लखनऊ जं. के बीच निरस्त रहेगी।
2. गोरखपुर-बाराबंकी के मध्य के स्टेशनों के समय में कोई परिवर्तन नहीं है।

मुजाधि/टी-79 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

प्रो. यशपाल को किया नमन

पीलीभीत, अमृत विचार : अंगूरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज में समाधान आईएपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में प्रोफेसर यशपाल की जयंती मनाई गई। प्रोफेसर यशपाल को नमन किया गया। कार्यक्रम संयोजक अमित कुमार विश्वकर्मा ने उनके जीवन के बारे में बताया गया। इस अवसर पर समाधान आईपीटी अन्वेषिका के ब्रांड एंबेसडर बृजभूषण लाल इंटर कॉलेज बरेली के कक्षा 11 के छात्र ध्रुव कुमार ने राष्ट्रीय अन्वेषिका प्रयोगात्मक निपुणता परीक्षा के विभिन्न चरणों के बारे में अपने अनुभव विद्यार्थियों से साझा किया।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंटर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं, उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया। आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।
–शहीदे आजम भगत सिंह

अमृत विचार
गुरुवार, 27 नवंबर 2025

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्तूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोज़ाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज़ बयानबाज़ी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही ज़हरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले कि वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाज़ार' लोगों को बेज़ार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई तक ला दिया। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिज़ाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी रखी है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरी ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था।

अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

आमने सामने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।
–केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम,
उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी
लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। हृषिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन
आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।
- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *– फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

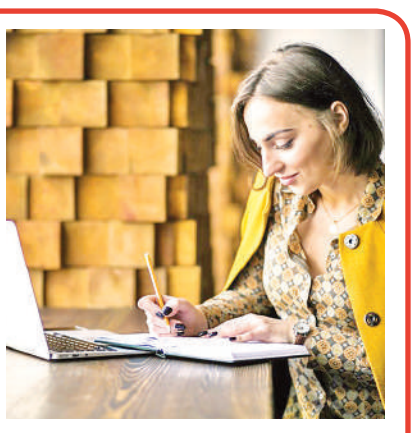

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609.51	26,205.30
बढ़त	1,022.50	320.50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3600, मसूरी-1300, बासमती- 7500, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4600, साबुत चना दाल- 4900, मूंग साबुत- 7200, राजमा- 10100-12300, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 4800, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6200, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 3400

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार, बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति शृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल-एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह-विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785.32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912.47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1.32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1.23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

राष्ट्रीय

आतंक का वित्तपोषण कर रहे अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप्स

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने कहा- इनका विनियमन करने के लिए कानून लाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र ने कहा- इनका बेरोक-टोक विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप का आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंध है तथा इन वर्चुअल प्लेटफॉर्म का विनियमन करने को कानून लाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह इस मामले को सुनवाई के लिए गुरुवार को लेने का प्रयास करेगी।

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग का बेरोक-टोक विस्तार वित्तीय धोखाधड़ी, धन शोधन, कर चोरी और कुछ मामलों में आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़ा हुआ है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोक व्यवस्था और राष्ट्र की अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग प्रणालियों का अक्सर व्यापक विज्ञापन अभियानों, सेलिब्रिटी और प्रभावशाली लोगों के समर्थन से विपणन होता है, जिससे उनकी पहुंच और प्रभाव बढ़ जाता है, खासकर युवाओं और कमजोर समूहों के बीच। सरकार ने कहा कि व्यक्तियों, परिवारों, समाज और देश पर ऑनलाइन मनी गेमिंग के हानिकारक और नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए तथा ऑनलाइन मनी गेम के लिए उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की प्रकृति, एल्गोरिदम और इसमें शामिल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क सहित तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, और यह देखते हुए कि वे विदेशी क्षेत्राधिकारों से संचालित होते हैं, ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 लाया गया।

पर्याप्त सामग्री और डेटा जो दर्शाते हैं कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र का संबंध आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से है। साथ ही, आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंधों पर सीलबंद लिफाफे में अधिक जानकारी देने की पेशकश की गई।

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में कीं, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए।

- सीजेआई ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उधवानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। उधवानी ने गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उसके खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस को रद्द करने और प्रत्यर्पण के लिए संयुक्त अरब अमीरात को किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध को वापस लेने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वकील से कहा कि कई अपराध हैं, आप वापस आएं। आपका भव्य स्वागत किया जाएगा।

शराब घोटाले में तीन आरोपियों को अंतरिम राहत

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ के शराब घोटाले में तीन आरोपियों को आत्मसमर्पण करने से बुधवार को अंतरिम राहत दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिनमें आरोपियों की जमानत रद्द कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले की सुनवाई कर रही अदालत में 26 नवंबर को आत्मसमर्पण करने और नियमित जमानत के लिए अनुरोध करने का निर्देश दिया था।

पानी-भोजन की खराब गुणवत्ता पर वीआईटी में छात्रों का हंगामा

सीहोर (मप्र), एजेंसी

- 4,000 से ज्यादा छात्रों ने किया प्रदर्शन, कॉलेज प्रबंधन ने की 30 नवंबर तक छुट्टी

सीहोर जिले में वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के छात्रों ने भोजन और पानी की कथित खराब गुणवत्ता को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर रात आगजनी के दौरान एक बस, चार पहिया दो वाहन, एक एम्बुलेंस, छात्रावास की खिड़की के शीशे, एक आरओ प्लांट और परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि 3,000 से 4,000 छात्रों ने भोजन और पानी की गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना के बाद पुलिस अनुमंडल अधिकारी (आष्टा) और कई थानों के पुलिसकर्मी कॉलेज पहुंचे। कर्मियों ने छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें समस्याओं को हल करने के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। आष्टा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आकाश अमालकर ने कहा कि कॉलेज और छात्रावास परिसर में स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने 30 नवंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है। सीहोर के एसपी दीपक शुक्ला ने कहा कि स्थिति सामान्य है।

निर्वाचन आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ममता ने बीएलओ की मांग को उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने पत्र में कहा कि सीईओ कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में काम करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजी गई।

बीएलओ को अपना पक्ष रखने का अधिकार

इस संबंध में मुख्यमंत्री बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएलओ को अपनी शिकायतें रखने के लिए उनके दफ्तर के बाहर घंटों इंतजार क्यों कराया गया। बंगाल ही नहीं, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी बीएलओ काम के दबाव में दम तोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़: 41 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 32 पर थे एक करोड़ 19 लाख के इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक करोड़ 19 लाख के इनामी 32 समेत 41 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इनमें कई आठ लाख के इनामी है। वहीं, कई पर पांच लाख का इनाम था। इसके अलावा 12 नक्सलियों पर दो-दो लाख तथा आठ नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी और धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन के नक्सली भी शामिल हैं। राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव स्थापित की है। पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जागरुक नागरिकों के सामूहिक तथा समन्वित प्रयासों से हिंसा और भय की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदलने में बड़ी सफलता मिली है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

जज बदलने की राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले की सुनवाई किसी अन्य जज को भेजने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली की अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा है।

प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश भट्ट ने राजद नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया। अदालत ने सीबीआई मामले में जारी सुनवाई की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को राबड़ी देवी ने अपने खिलाफ दर्ज सीबीआई और ईडी के मामलों को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

हांगकांग में भीषण आग...

हांगकांग के ताई पो जिले में एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में बुधवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य व्यक्ति अस्पताल में भर्ती हैं। इमारतों में कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना है।

कौन है बेनी मेनाशे समुदाय

2,700 साल पूर्व पलायन, भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

इजराइल ने दी वापसी के लिए मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 बेनी मेनाशे को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के आव्रजन को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने को स्वीकृत मिल गई है।

वतन वापसी के लिए किए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही इजराइल जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

यहूदी के साथ हिंदू और ईसाई धर्म मानता है समुदाय

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैतै है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। इस समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैतै कपड़े शामिल होते हैं। इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैतै संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

सरकोजी की दोषसिद्धि कोर्ट ने बरकरार रखा

पेरिस। फ्रांस की शीर्ष अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को उनके पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए अवैध वित्तपोषण के मामले में दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा। सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय (कोर्ट ऑफ कैसेशन) ने यह निर्णय सुनाया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने एएसआई तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

- सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा

हैदराबाद, एजेंसी

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है भारत

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना (78) के प्रत्यर्पण की मांग की थी। विशेष न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, भारत ने बुधवार को कहा कि वह हसीना को प्रत्यर्पित किए जाने के बांग्लादेश के अनुरोध पर गौर कर रहा है और वह उस देश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

- देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

- भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

नेपाल में चुनाव लड़ेंगे 106 दल

काठमांडू। नेपाल में 106 राजनीतिक दलों ने अगले साल पांच मार्च को होने वाले आम संसदीय चुनाव में लड़ने के लिए पंजीकरण कराने के वास्ते आवेदन किया है। चुनाव आयोग ने पहले राजनीतिक दलों के लिए चुनाव पंजीकरण दाखिल करने की अंतिम तिथि 26 नवंबर निर्धारित की थी। बाद में इसे बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया।

चुनाव आयोग के प्रवक्ता सुमन अधिकारी ने बताया कि आयोग में पंजीकृत 134 दलों में से 106 ने प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव में भाग लेने के लिए आवेदन जमा किए हैं। पात्र दलों की अंतिम सूची छह दिसंबर को प्रकाशित होगी।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

- राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट

हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00 .29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

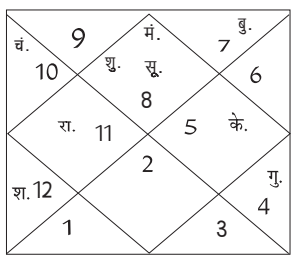

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02 .32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष - आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष - आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन - आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क - आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह - आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या - आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जवान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला - आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक - आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु - आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर - आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ - आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन - आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई । यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

असलांका की छिन सकती है कप्तानी

कोलंबो : श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका का पाकिस्तान का दौरा बीच में छोड़ना देश के क्रिकेट बोर्ड को नागवार गुजरा है जिससे अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गई है। उनकी जगह दासुन शनाका को कप्तान नियुक्त किया गया है। असलांका पाकिस्तान में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह दौरा बीच में रद्द करने के पक्ष में थे और उन्होंने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को टूर्नामेंट से हटने और स्वदेश लौटने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह बात श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को रास नहीं आई और उसने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। गार्डियोला ने शनिवार को प्रीमियर लीग में न्यूकैसल से मिली हार के बाद अपनी शुरुआती लाइनअप में 10 बदलाव किए, जिसमें एर्लिंग हालैंड को बेंच पर रखा गया, लेकिन इसका विपरीत प्रभाव पड़ा। एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने 23वें मिनट में लेवरकुसेन की तरफ से पहला और पैट्रिक स्किच ने 54वें मिनट में दूसरा गोल किया।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बल्लेबाजी करने आये प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। उत्तर प्रदेश ने 18.2 ओवर में चार विकेटपर 173 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

अजलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिये पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। भारतीयों ने दबाव बनाये रखा लेकिन बीच में यशदीप सिवाच को गलती पर ग्रीन कार्ड और मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार सूपड़ा साफ हुआ

गुवाहाटी, एजेंसी

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया लेकिन हार्मर की उछाल लेती एक गेंद उनके बल्ले को चूमती हुई स्लिप में मार्क्रम के सुरक्षित हाथों में चली गई। साई सुदर्शन ने 139 गेंदों में 14 रन बनाए लेकिन वह छह बार आउट होने से बचे थे और ऐसा लग रहा था कि वह हर गेंद पर आउट हो जाएंगे। भारत के अन्य बल्लेबाज नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों के सामने बगलें झांकते हुए नजर आए। कोलकाता में पहला टेस्ट मैच 30 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम की तैयारी में कमी स्पष्ट नजर आ रही थी।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन
भारत पहली पारी : 201 रन
दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्रम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्रम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्रम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत है : ऋषभ पंत

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

गुवाहाटी, एजेंसी

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी श्रृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस श्रृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी श्रृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा श्रृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर श्रृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

लोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था । भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं । आज भी मैं वही बात कह रहा हूं । उन्होंने कहा लोग भूल

जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए । मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं । मैने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है ।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा । एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी , लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फिर तामितो ने प्रणुज भट्टाचार्य को 11-9, 11-7, 11-3 से मात देकर जापान को स्वर्ण पदक दिलाया। अंडर -15 लड़कियों की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य हासिल किया। टीम ने क्वार्टरफाइनल में जर्मनी को 3-1 से हराया।

डब्ल्यूटीसी तालिका में 5वें स्थान पर खिसका भारत

- दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद हुआ नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में 408 रन से मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में श्रृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड

के खिलाफ श्रृंखला खेलेगी। दूसरी तरफ भारत में 25 वर्ष में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका ने तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उसका पीसीटी 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है।न्यूजीलैंड ने अभी तक मौजूदा चक्र में एक भी श्रृंखला नहीं खेली है, जबकि श्रीलंका और पाकिस्तान ने एक-एक सीरीज खेली है। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 2027 में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

सोचा नहीं था कि भारत वापस आऊंगा : हार्मर

गुवाहाटी : साइमन हार्मर ने 2017 में इंग्लिश काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलने के लिए 'कोलपैक' करार पर हस्ताक्षर किया था तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेलने की उम्मीद छोड़ दी थी। इस ऑफ स्पिनर के लिए भारत में 2015 में औसत प्रदर्शन के बाद इस देश में एक और टेस्ट मैच खेलने की उनकी संभावना धूमिल हो गयी थी।

हार्मर ने भारत के मौजूदा दौरे पर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को दो मैचों की सीरीज में 2-0 की जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। हार्मर ने दूसरे टेस्ट में 408 रन की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद बुधवार को कहा लाखों सालों में भी नहीं (भारत में 2015 के बाद दोबारा खेलने के बारे में) और इसलिए यह अवास्तविक लगता है। कोलपैक समझौता यूरोपीय न्यायालय का एक फैसला था जिसने दक्षिण अफ्रीका जैसे यूरोपीय संघ समझौते वाले देशों के नागरिकों को यूरोपीय संघ के किसी भी देश में वहां के नागरिक के समान अधिकारों के साथ काम करने की अनुमति दी थी।

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति अगले दौर में

लखनऊ, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और सीनियर खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय बुधवार को आसान जीत दर्ज करते हुए भारत के कई अन्य खिलाड़ियों के साथ सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

हुड्डा ने हमवतन आकर्षि कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया जबकि इस साल की शुरुआत में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए बाबू बनारसी दास इंडोर स्टेडियम में कविन थंगम को 21-13, 21-10 से शिकस्त दी। वहीं 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने शाश्वत दलाल को पराजित किया। अब उनका सामना हमवतन मनराज सिंह से होगा। मिथुन

महिला सिंगल्स के दौरान शॉट लगातीं भारत की उन्नति हुड्डा। एजेंसी

मंजूनाथ को दिमित्रि पनारिन को 21-18 12-21 21-10 से हराने में मशक्कत करनी पड़ी जबकि छठे वरीय तरूण मानेपल्ली ने सतीश करूणाकरन को 21-7 21-9 से हराया। मंजूनाथ अब दूसरे दौर में मानेपल्ली के सामने होंगे। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सातवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री संतोष रामराज ने महिला एकल में श्रेया लेले पर 21-12, 21-14 से जीत के साथ आगाज किया।

किरण जॉर्ज ने भी पुरुष एकल वर्ग में इजराइल के डेनियल डुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराकर आगे बढ़े और अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावान से होगा। घुटने की चोट से उबरने के

- पूर्व चैंपियन श्रीकांत सैयद मोदी इंटरनेशनल में आगे बढ़े

बाद पांच महीने में अपना पहला मैच खेल रहे प्रियांशु राजावत ने मीराबा लुवांग मैसनाम को 21-18, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना एक अन्य भारतीय बीएम राहुल भारद्वाज से होगा।

भारद्वाज ने हमवतन तरुण रेड्डी कटम को 18-21, 21-16, 23-21 से हराया। अलाप मिश्रा, सिद्धांत गुप्ता पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए, जबकि देविका सिहाग, मानसी सिंह, इशारानी बरुआ, तान्या हेमंत और अनुपमा भी आगे बढ़े। मिश्रित युगल वर्ग में विश्व जूनियर पदक विजेताओं के बीच हुए मुकाबले में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी की जोड़ी ने भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो को 25-23, 21-14 से हराया।

खेलमंत्री ने जताया हर्ष | अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिये गर्व का पल बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है ।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित

हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिये गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिये ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है । पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया । कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ ।यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिये तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है । उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है । हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं । खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है ।

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है । मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा ,तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पायेंगे।